TOP SELLING PGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा
चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

PGT

प्रवक्ता चयन परीक्षा

Most Updated Book!
UP PGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

समाजशास्त्र

15 सॉल्व्ड प्रैक्टिस सेट्स
एवं 04 सॉल्व्ड पेपर्स
(2021, 2016, 2013, 2011)

Code	Price	Pages
CB988	₹ 239	284

विषय-सूची

Student's Corner

पृष्ठ संख्या

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** **iv**

⊙ **Best Strategy परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका!** **v**

⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** **vi**

⊙ **Student's Corner** **vii**

⊙ **प्रवक्ता चयन परीक्षा पाठ्यक्रम** **viii**

सॉल्व्ड पेपर्स

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2021 समाजशास्त्र (हल प्रश्न-पत्र) (परीक्षा तिथि: 17-08-2021)** **1-22**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2016 समाजशास्त्र (हल प्रश्न-पत्र) (परीक्षा तिथि: 2 फरवरी, 2019)** **1-21**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2013 समाजशास्त्र (हल प्रश्न-पत्र)** **22-54**

☆ **प्रवक्ता चयन परीक्षा–2011 समाजशास्त्र (हल प्रश्न-पत्र) (परीक्षा तिथि : जून, 2016)** **55-88**

प्रैक्टिस सेट्स

➢ **प्रैक्टिस सेट–1** **89-99**

➢ **प्रैक्टिस सेट–2** **100-110**

➢ **प्रैक्टिस सेट–3** **111-121**

➢ **प्रैक्टिस सेट–4** **122-132**

➢ **प्रैक्टिस सेट–5** **133-142**

➢ **प्रैक्टिस सेट–6** **143-152**

➢ **प्रैक्टिस सेट–7** **153-164**

➢ **प्रैक्टिस सेट–8** **165-177**

➢ **प्रैक्टिस सेट–9** **178-188**

➢ **प्रैक्टिस सेट–10** **189-200**

➢ **प्रैक्टिस सेट–11** **201-215**

➢ **प्रैक्टिस सेट–12** **216-229**

➢ **प्रैक्टिस सेट–13** **230-242**

➢ **प्रैक्टिस सेट–14** **243-253**

➢ **प्रैक्टिस सेट–15** **254-262**

प्रवक्ता चयन परीक्षा, 2021

समाजशास्त्र

(हल प्रश्न-पत्र)

परीक्षा तिथि : 17-08-2021

1. किसने कहा है कि "आधुनिक समाज एक भगोड़ा समाज है"?
Who said "Modern society is a runaway society" ?
(A) स्टुअर्ट हाल/Stuart Hall
(B) थुरगेन हेबरमास/Turgen Habermas
(C) जार्ज रिट्जर/George Ritzer
(D) एन्थोनी गिडिन्स/Anthony Giddens

1. (D) ● एन्थोनी गिडिन्स के अनुसार आधुनिक समाज एक मगोड़ा समाज है। इनके अनुसार आधुनिक समाज एक ऐसा समाज है जो अधिक तकनीकी रूप से संस्थाओं का परिसर होता है, जो किसी पूर्व संस्कृति के विपरीत, अतीत के बजाये भविष्य में जीता है। आधुनिक समाज में मानव हस्तक्षेप द्वारा अधिक औद्योगिक उत्पादन किया जाता है। यह समाज बाजार अर्थव्यवस्था का, राजनीतिक संस्थाओं का परिसर होता है।

● गिडिन्स के अनुसार आज हम ऐसी दुनिया में गुजर बसर कर रहे हैं जिसका कोई भरोसा नहीं है, यह भगोड़ी दुनिया है। एक पल आपको लगेगा कि यह दुनिया आपकी मुट्ठी में है और वही अगले पल यह दुनिया आपको नष्ट करने पर तुली हुई प्रतीत होगी।

● गिडेंस ने आधुनिकता के लिए कुल चार बुनियादी संस्थाओं का उल्लेख किया है—
1. पूँजीवाद
2. उद्योगवाद
3. निगरानी की क्षमता
4. राष्ट्र-राज्य

❖ हेबरमास के अनुसार—आधुनिकता एक अधूरी परियोजना (प्रोजेक्ट) है।

❖ जार्ज रिट्जर के अनुसार—बुद्धिसंगतता आधुनिक समाज का सबसे बड़ा गुण है।

❖ स्टुअर्ट हाल ने 1980 में संस्कृति, मीडिया, भाषा में 'एन्कोडिंग/डिकोडिंग' में अपने एन्कोडिंग और डिकोडिंग मॉडल को प्रस्तुत किया।

2. किसने कहा कि "विवाह नियमित यौन सम्बन्धों से कुछ अधिक है"?
Who said "Marriage is more than regular sex relationships"?
(A) ब्रिफाल्ट/Briffault
(B) समनर/Sumner
(C) वेस्टरमार्क/Westermarck
(D) मनु/Manu

2. (C) वेस्टरमार्क के अनुसार, विवाह एक या अधिक पुरुषों का एक या अधिक स्त्रियों के साथ होने वाला वह सम्बन्ध है, जिसे प्रथा या कानून स्वीकार करता है और जिसमें इस संगठन में आने वाले दोनों पक्षों एवं उनसे उत्पन्न सन्तानों को कुछ अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

● वेस्टर मार्क ने अपनी पुस्तक 'हिस्ट्री आफ ह्यूमन मैरिज' में बताया है कि परिवार जैसी संस्था को बनाए रखने के लिए विवाह जैसी संस्था का जन्म हुआ है। एक विवाह का सिद्धान्त भी वेस्टरमार्क द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

❖ ब्रिफाल्ट ने अपनी पुस्तक 'दी मदर' में दावा किया कि वैवाहिक सम्बन्ध के प्रारम्भिक चरण में सबसे बड़ी सत्ता माता की थी। ब्रिफाल्ट मातृसत्तात्मक सिद्धान्त के प्रतिपादक माने जाते हैं।

❖ मनु द्वारा रचित मनुस्मृति हिन्दुओं का एक चर्चित धर्मग्रन्थ है। जिसमें इन्होंने विवाह के आठ प्रकारों ब्राह्म, दैव, आर्ष, प्रजापत्य, आसुर, गान्धर्व, राक्षस और पैशाच विवाह का उल्लेख किया है। प्रथम चार विवाहों को उच्च कोटि के विवाह तथा बाद के चार विवाह को निम्न कोटि के विवाह माने जाते हैं।

❖ इसके अतिरिक्त WHR रिवर्स के अनुसार—जिन साधनों द्वारा मानव समाज यौन सम्बन्धों का नियमन करता है, उन्हें विवाह की संज्ञा दी जा सकती है।

❖ बोर्गाड्स के अनुसार विवाह स्त्री और पुरुष को पारिवारिक जीवन में प्रवेश कराने की संस्था है।

3. सामाजिक स्तरीकरण है, समाज का
Social stratification is, society's
(A) पेशागत विभाजन/Occupation division
(B) भाषागत विभाजन/Linguistic division
(C) सामाजिक प्रस्थिति के अनुसार विभाजन/Division according to social status
(D) क्षेत्रीय विभाजन/Regional division

3. (C) सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्तियों के समूहों को उनकी प्रतिष्ठा, सम्पत्ति और शक्ति के सापेक्ष पदानुक्रम में विभिन्न श्रेणियों में उच्च से निम्न रूप में स्तरीकृत किया जाता है। सामाजिक स्तरीकरण के मुख्य आधारभूत तत्व है—वर्ग पर आधारित स्तरीकरण, जाति पर आधारित स्तरीकरण, शक्ति पर आधारित स्तरीकरण।

पी. गिसबर्ट के अनुसार, "सामाजिक स्तरीकरण समाज का उन स्थायीसमूहों अथवा श्रेणियों में विभाजन है, जो कि उच्चता एवं अधिकता सम्बन्धों में परस्पर सम्बद्ध होते हैं।"

सोरोकिन के अनुसार, सामाजिक स्तरीकरण का तात्पर्य एक जनसंख्या विशेष को एक-दूसरे के ऊपर, ऊँच-नीच स्तरणात्मक वर्गों में विभेदीकरण। इसकी अभिव्यक्ति उच्चतर एवं निम्नतर स्तरों के विद्यमान होने के माध्यम से होती है।"

● पेशागत विभाजन के अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यता और विशेषीकरण के आधार पर काम करता है। क्योंकि हर व्यक्ति हर क्षेत्र में विशेषज्ञ नहीं हो सकता है। इसीलिए हमें दूसरे क्षेत्रों में विशेषज्ञ व्यक्तियों की सेवाओं की आवश्यकता पड़ती है। जैसे—हमें इलाज के लिए डॉक्टर, कानूनी सलाह के लिए वकील, शिक्षा अर्जित करने के लिए टीचर की आवश्यकता पड़ती है। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति पेशागत विभाजन के अनुसार कार्य करते हैं।

4. एक वयस्क अपराधी और एक बाल अपराधी में भेद करने का आधार क्या है?
What is the basis of differentiation between an adult criminal and a delinquent ?

(A) बड़ा अपराध/Big crime
(B) दुराचरण/Misconduct
(C) आयु/Age
(D) गिरफ्तारी परवाना/Arrest warrant

4. (C) भारत के बाल न्याय अधिनियम 1986 के अनुसार, "8 से 16 वर्ष तक की आयु के लड़कों एवं 18 वर्ष तक की आयु की लड़कियों को बाल अपराधी माना जाता है। बाल अपराध की अधिकतम आयु सीमा अलग-अलग राज्यों द्वारा निर्धारित आयु अलग-अलग है। बालक/बालिका द्वारा किया गया कानूनी विरोधी कार्य बाल अपराध कहलाता है।
जबकि 17 वर्ष लेकर 21 वर्ष की आयु के व्यक्ति को वयस्क अपराधी की श्रेणी में रखा जाता है।

5. 'एन एसे आन दि प्रिंसिपल ऑफ पापुलेशन' लिखने वाले विख्यात कौन हैं?
Who is known to have written 'An Essay on the Principle of Population' ?
(A) ड्यूमा/Dumont
(B) माल्थस/Malthus
(C) फेटर/Fetter
(D) सैडलर/Sadler

5. (B) ब्रिटिश अर्थशास्त्री माल्थस ने अपनी पुस्तक (1798) An essay on the principle of population में जनसंख्या वृद्धि और इसके प्रभावों की व्याख्या की है। माल्थस के अनुसार जनसंख्या ज्यामितीय वृद्धि (1, 2, 3, 4, 8, 16, 32) से बढ़ती है, जबकि संसाधनों में वृद्धि अंकगणितीय अनुपात (1, 2, 3, 4, 5) से होती है। परिणामस्वरूप प्रत्येक 25 वर्ष बाद जनसंख्या वृद्धि दोगुनी हो जाती है। माल्थस का सिद्धान्त स्पष्ट करता है कि–
- 'भरण-पोषण के साधनों द्वारा जनसंख्या अनिवार्यतः' सीमित रहती है।
- जहाँ भरण-पोषण के साधनों में वृद्धि होती है, वहाँ जनसंख्या निरन्तर बढ़ती है।
- वे नियंत्रण तथा जनसंख्या की श्रेष्ठ शक्ति का जो नियंत्रण दमन करते है और भरण-पोषण के साधनों पर अपना प्रभाव बनाए रखते हैं, इन सभी का नैतिक संयम, दुर्गम और विपत्तियों द्वारा निराकरण सम्भव है।

6. 'इनवीटेशन टु सोशियोलॉजी' शीर्षक पुस्तक के लेखक कौन है?
Who has authored the book entitled 'Invitation to Sociology'?
(A) सी. डब्ल्यू. मिल्स/C.W. Mills
(B) किंग्सले डेविस/Kingsley Davis
(C) एच. स्पेन्सर/H. Spencer
(D) पीटर एल. बर्जर/Peter L. Berger

6. (D) इनवीटेशन टु सोशियोलाजी पुस्तक पीटर एल. बर्जर द्वारा रचित है।
- CW मिल्स की पुस्तक हैं–
  - White Collar '1951'
  - The power elite '1956'
  - The Sociological Imagination '1959'
- H. Spencer (हरबर्ट स्पेन्सर)–
  - Social Statics '1851'
  - First Principles '1860'
  - Principles of Sociology '1876'
- Kingsley Davis की पुस्तकें
  - Human Society '1949'
  - Some Principle of Stratification '1993'
  - A structural analysis of kinship '1980'

7. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग की अवधारणा किसने दी ?
Who gave the concept of direct and indirect co-operation?
(A) ग्रीन/Green
(B) वेबर/Weber
(C) मैकाइवर/H. Spencer
(D) जॉन्सन/Johnson

7. (C) मैकाइवर ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग की अवधारणा दी।
प्रत्यक्ष सहयोग–जब किसी समान उद्देश्य की पूर्ति के लिए दो यो दो से अधिक व्यक्ति एक साथ मिलजुलकर कार्य करते हैं तो वह प्रत्यक्ष सहयोग कहलाता है। उदाहरण आम चुनाव में किसी प्रत्याशी को जिताने के लिए कुछ लोगों द्वारा मिलकर प्रचार-प्रसार करना प्रत्यक्ष सहयोग कहलाता है।
अप्रत्यक्ष सहयोग–इस प्रकार के सहयोग में व्यक्तियों का उद्देश्य तो समान होता है, परन्तु वे इस उद्देश्य को असमान कार्यों द्वारा प्राप्त करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति का अपना एक विशिष्ट कार्य होता है। उदाहरण किसी हॉस्पीटल के विभिन्न कर्मचारियों के बीच पाया जाने वाला सहयोग अप्रत्यक्ष सहयोग कहलाता है।
ग्रीन के अनुसार–सहयोग को तीन भागों में बाटा गया है–
(1) प्राथमिक सहयोग (2) द्वितीयक सहयोग (3) तृतीयक सहयोग।

8. "समुदाय लघुतम प्रादेशिक समूह है जो सामाजिक जीवन के सभी पक्षों का आलिंगन करता है।" समुदाय की उक्त परिभाषा देने वाले हैं–
"Community is the smallest territorial group that can embrace all aspects of social life". The above definition of community is given by
(A) डेविस/Davis
(B) ग्रीन/Green
(C) लुम्ले/Lumley
(D) सदरलैण्ड/Sutherland

8. (A) किंग्सले डेविस के अनुसार–"समुदाय एक सबसे छोटा क्षेत्रीय समूह है, जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलुओं का समावेश होता है।"
- बोगार्डस के अनुसार "समुदाय एक सामाजिक समूह है जिसमें हम की भावना की कुछ मात्रा हो तथा एक निश्चित क्षेत्र में रहता हो।"
- ग्रीन के अनुसार "समुदाय संकीर्ण प्रादेशिक घेरे में रहने वाले उन व्यक्तियों का समूह है जो जीवन के सामान्य ढंग को अपनाते हैं। एक समुदाय एक स्थानीय क्षेत्रीय समूह है।"
- समुदाय की विशेषताएँ–
  1. निश्चित भू-भाग होता है।
  2. सामुदायिक भावना
  3. सामाजिक नियम
  4. सामान्य संस्कृति
  5. व्यक्तियों का समूह
  6. स्वतः उत्पत्ति
  7. विशिष्ट नाम
  8. स्थायित्वता
  9. समानता

9. निम्नलिखित में किसने आत्महत्या के प्रकारों का वर्णन किया है ?
Who among the following has described the types of suicide?
(A) दुर्खीम/Durkheim
(B) काम्ट/Comte
(C) मार्क्स/Marx
(D) वेबर/Weber

9. (A) दुर्खीम ने आत्महत्या के प्रकारों का वर्णन किया है। दुर्खीम ने अपनी पुस्तक आत्महत्या (1897) में आत्महत्या के प्रमुख तीन प्रकार बताये हैं–
1. अंदवादी आत्महत्या
2. पदार्थवादी आत्महत्या
3. अस्वाभाविक आत्महत्या

10. गीता में वर्णित कर्म के तीन प्रकारों में निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं हैं ?
Which of the following is not included among the three types of karmas as given in Geeta?
(A) सात्विक कर्म/Satvik Karma
(B) राजसिक कर्म/Rajsik Karma
(C) मानसिक कर्म/Mansik Karma
(D) तामसिक कर्म/Tamsik Karma

10. (C) गीता में वर्णित कर्म के तीन प्रकार इस प्रकार है–

- **सात्विक कर्म**–सबसे उत्तम होते हैं। जो मनुष्य एवं समाज को सुख एवं शान्ति प्रदान करते हैं।
- **राजसिक कर्म**–ये कर्म मध्यम कोटि के होते हैं। जो सुख और दुःख दोनों प्रदान करते हैं।
- **तामसिक कर्म**–सबसे निम्न कोटि के होते हैं। जो मनुष्य और समाज का बहुत अहित करते हैं।

गीता में किसी में मानसिक कर्म की संज्ञा नहीं दी गई है।

11. निम्नलिखित में से सर्वप्रथम 'सामाजिक नियंत्रण' शब्द का प्रयोग किसने किया ?
Who among the following first used the term 'Social control' ?
(A) मैकाइवर/Maclver
(B) ई.ए. रास/E.A. Ross
(C) लूम्ले/Lumley
(D) सम्नर/Sumner

11. (B) सामाजिक नियंत्रण शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग समाजशास्त्री ई. ए. रास. द्वारा किया गया था।

रॉस के अनुसार, "सामाजिक नियंत्रण उन पद्धतियों की व्यवस्था है, जिनके द्वारा समाज अपने सदस्यों को मान्य-व्यवहार प्रतिमानों के अनुरूप बनाता है।"

मैकाइवर एवं पेज, "सामाजिक नियंत्रण से आशय उस तरीके से है जिससे सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था अपने आप को संगठित बनाए रखती है, एक परिवर्तनशील सन्तुलन की भाँति अपने को क्रियाशील रखती है।

सामाजिक नियन्त्रण के दो मूलभूत साधन होते हैं–

1. **अनौपचारिक साधन**–परिवार, जनरीतियाँ, रूढ़ियाँ, प्रथाएँ, जनमत, धर्म आदि।
2. **औपचारिक साधन**–प्रसार-प्रचार, जनमत, कानून, राज्य, नेता, शिक्षा आदि।

12. हिन्दू विवाह के निम्नलिखित प्रकारों में से कौन-सा प्रकार प्रशस्त कोटि का विवाह नहीं कहा गया है?
Which of the following forms of Hindu marriages, is not said to be Prashasta form of marriage?
(A) ब्रह्म/Brahma
(B) दैव/Daiva
(C) गान्धर्व/Gandharva
(D) आर्ष/Arsha

12. (C) गान्धर्व विवाह को प्रशस्त कोटि का विवाह नहीं माना जाता है। इसके अतिरिक्त आसुर विवाह, राक्षस विवाह और पैशाच विवाह को भी निम्न कोटि का विवाह माना जाता है। मनुस्मृति के अनुसार ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, प्रजापत्य विवाह और आर्ष विवाह को ही प्रशस्त विवाह माना जाता है।

13. 'पापुलेशन बॉम्ब' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
Who is the author of the book 'Population Bomb' ?
(A) पाल एहरलिच/Paul Ehrlich
(B) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(C) माल्थस/Malthus
(D) डी. ड्यूमा/D. Dumont

13. (A) पाल एहरलिच ने 1968 में पापुलेशन बाम्ब में जनसंख्या वृद्धि को सीमित करने के लिए तत्काल कार्यवाही की वकालत की। एहरालिच ने पानी की आपूर्ति या मुख्य खाद्य पदार्थों में 'अस्थायी' स्टरलैट जोड़ने का विचार प्रस्तुत किया। इन्होंने जनसंख्या नियन्त्रण के लिए गर्भपात के अधिकार की गारंटी के लिए कानून बनाने तथा यौनशिक्षा का विस्तार करने का समर्थन किया।

- मार्क्स ने अपने जनसख्या वृद्धि सिद्धान्त में बताया कि जनसंख्या वृद्धि की सभी पवृत्तियों का कारण पूँजीवादी शोषण मूलक राजनीतिक आर्थिक सामाजिक व्यवस्था है और इसका समाधान केवल साम्यवाद में ही सम्भव है।
- अनुकूलम जनसंख्या का सिद्धान्त ब्रिटिश अर्थशास्त्री एडविन केनन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- डी. ड्यूमा द्वारा सोशल कपिलैरिटी थ्योरी का प्रतिपादन किया गया है।

14. किसने नगरवाद की चार विशेषताओं का उल्लेख किया है ?
Who described four characteristics of urbanism ?
(i) स्थायित्व/Transiency
(ii) सतहीपन/Superficiality
(iii) गुमनामी/Anonymity
(iv) व्यक्तिवाद/Individualism
(A) लुईस वर्थ/Louis Wirth
(B) सी. मार्शल/C. Marshall
(C) एलीन रास/Aileen Ross
(D) मैक्स वेबर/Max Weber

14. (A) लुईसवर्थ ने नगरवाद की निम्नलिखित चार विशेषताओं का उल्लेख किया है–
1. स्थायित्व
2. सतहीपन
3. गुमनामी
4. व्यक्तिवाद

लुईसवर्थ ने नगरवाद को एक जीवन शैली के रूप में माना है। लुईसवर्थ ने नगरवाद का विवेचन करते हुए नगरीय जनजीवन और नगरों में निवास करने वाले व्यक्तियों के मूल्य, विचार, आदर्श, चेतना के आधार, आदतों के स्वरूप तथा सामाजिक अन्तक्रियाओं के प्रविधि आदि पर प्रकाश डाला है।

- मैक्सवेबर के अनुसार, "नगरीय वातावरण में सामाजिक सम्बन्धों का अवलोकन करना नगरीय समाजशास्त्र का प्रमुख कार्य है। नगर मात्र ऊँचे मकानों, बाजारों, दुकानों, मण्डियों तथा आर्थिक गतिविधियों से जुड़े प्रतिष्ठानों या निजी कार्यालयों का संग्रह नहीं है। ये सभी नगर का मूर्त पक्ष है। नगर की अवधारणा में सामाजिक मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व भी दृष्टिगत होता है।

15. किसने सामाजिक समूहों को चार श्रेणियों में विभाजित किया है ?
Who classified social groups in four categories ?
(i) सांख्यिकीय समूह/Statistical groups
(ii) सहयोगी समूह/Societal groups
(iii) सामाजिक समूह/Social groups
(iv) समिति सम्बन्धी समूह/Associational groups
(A) के. डेविस/K. Davis
(B) आर. बीरस्टीड/R. Bierstedt
(C) एच. एम. जॉनसन/H. M. Johnson
(D) मैकाइवर एवं पेज/Maclver and Page

15. (B) आर. बीरस्टीड ने सामाजिक समूहों को चार श्रेणियों में विभाजित किया है–
1. सांख्यिकीय समूह
2. सहयोगी समूह
3. सामायिक समूह
4. समिति सम्बन्धी समूह

- इसके अतिरिक्त जार्ज सिमेल ने आकार के आधार पर समूहों का वर्गीकरण किया है–
  1. एकक समूह
  2. द्वैत समूह
  3. त्रैत समूह
- सैडरसन ने संरचना के आधार पर समूहों का वर्गीकरण किया है–
  1. अनैच्छिक समूह
  2. ऐच्छिक समूह
  3. प्रतिनिधिक समूह

- कूले ने सम्पर्क के आधार पर समूहों का वर्गीकरण किया है–
  1. प्राथमिक समूह
  2. गौण या द्वितीयक समूह
- मिलर ने सामाजिक समूहों को क्षैतिज और उदग्र में विभक्त किया है।
- सम्नर ने समूहों को अत्रसमूह और बाह्य समूह में विभक्त किया है।

16. 1877 में प्रकाशित पुस्तक "प्रिंसिपल्स आफ सोशियोलाजी" समाजशास्त्रीय विश्लेषण का प्रथम विस्तृत व्यवस्थित अध्ययन था। यह पुस्तक किसने लिखी ?
Published in 1877 the book "Principles of Sociology" was the first full-scale systematic study of sociological analysis. Who wrote this book ?
(A) आगस्त काम्ट/Auguste Comte
(B) ई. दुर्खीम/E. Durkheim
(C) मैक्स वेबर/Max Weber
(D) हर्बर्ट स्पेन्सर/Herbert Spencer

16. (D) हर्बर्ट स्पेन्सर ने '1876' में "प्रिंसिपल ऑफ सोशियोलाजी" पुस्तक में अपना समाजशास्त्रीय विश्लेषण प्रस्तुत किया था।
- दुर्खीम की चार प्रमुख रचनायें इस प्रकार हैं–1893 में द डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी, द ऐलिमेंटरी फॉर्म्स ऑफ द रिलीजस लाइफ (1912), द सुइसाइड (1897), सोसियोलॉजिकल मैथड (1895)।
- आगस्त काम्टे की द कोर्स इन पॉजीटिव फिलॉसफी (1830), सिस्टम ऑफ पॉजिटिव पॉलिटी (1851-54) के बीच चार खण्डों में प्रकाशित हुई।

17. निम्नलिखित में सामाजिक नियंत्रण का औपचारिक अभिकरण कौन है ?
Which of the following is a formal agency of social control ?
(A) जनरीतियाँ/Folkways
(B) परम्परायें/Traditions
(C) राज्य/State
(D) सामाजिक भय/Social Fear

17. (C) राज्य सामाजिक नियन्त्रण का औपचारिक अभिकरण है। जबकि जनरीतियाँ, परम्परायें, सामाजिक भय, सामाजिक नियन्त्रण के अनौपचारिक अभिकरण है।
- औपचारिक नियन्त्रण के अन्तर्गत समाज में स्थापित एक ऐसी व्यवस्था जिसकी स्थापना राज्य तथा समाज में व्याप्त औपचारिक संगठनों द्वारा बनाये गए स्वीकृत नियमों के आधार पर समूह के व्यक्तियों के व्यवहार पर नियन्त्रण रखना होता है।
- अनौपचारिक नियन्त्रण में किसी प्रकार के लिखित कानूनों की आवश्यकता नहीं होती है बल्कि समाज में व्याप्त स्वीकृत नियम, आदर्श, मूल्य, जनरीतियाँ, नैतिक नियमों के आधार पर नियन्त्रण रखा जाता है।

18. सूची-I में दी गई मदों को सूची-II में दी गई मदों से मिलाइए।
Match an item in List-I with an item in List-II.

सूची-I/List-I (गावों का अध्ययन/Village studies)	सूची-II/List-II (विद्वान/Thinker)
a. श्रीपुरम/Sripuram	1. एस. सी. दुबे/S. C. Dubey
b. रामपुरा/Rampura	2. मैकिम मैरिएट/McKim Marriot
c. शमीरपेट/Shamirpet	3. एम.एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
d. किशनगढ़ी/Kishangarhi	4. ए. बेतेइ/A. Beteille

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	1	4	2	3
(C)	4	3	1	2
(D)	4	1	3	2

18. (D)
- ए. बेतेइ ने अपना जाति पर आधारित अध्ययन श्री पुरमगांव के अन्तर्गत किया था।
- एम. एन. श्रीनिवास ने अपना जाति आधारित क्षेत्र कार्य कर्नाटक राज्य के रामपुरा नामक गांव में किया गया था। इस अध्ययन को उन्होंने अपनी पुस्तक रिम्बर्ड विलेज में लिखा।
- एस. सी. दुबे ने शमीरखेटः एक भारतीय गांव की सामाजिक संरचना का अध्ययन केन्द्र बिन्दु शमीरपेट गांव को बनाया।
- मैकिम मेरियट ने उत्तर भारत के एक गांव किशनगढ़ का अध्ययन किया और यह जानने का प्रयास किया कि बाह्य क्षेत्र के प्रभाव के फलस्वरूप इस गांव के सांस्कृतिक प्रतिमानों में किस प्रकार के परिवर्तन हो रहे हैं।

19. 'दहेज निरोधक अधिनियम' किस वर्ष पारित हुआ था ?
'The Dowry Prohibition Act' was passed in which year ?
(A) 1956 (B) 1961
(C) 1954 (D) 1957

19. (B) दहेज निरोधक अधिनियम 1961 के अनुसार दहेज लेने, देने या इसके लेन-देनव में सहयोग करने पर 5 वर्ष कैद और ₹15000 के जुर्माने का प्रावधान है। इस अधिनियम में 1984 और 1986 में संशोधन किया गया। जिसके अनुसार दहेज लेने या देने या सहयोग करने पर न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम दस साल की कैद तथा ₹10000 जुर्माना की सजा का प्रावधान है।

20. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट के अनुसार अपने उत्तर का चुनाव कीजिए।
Match List-I with List-II and select the correct answer using the code given below.

सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
a. जैमिनशैफ्ट एवं जैसिलशैफ्ट/Gemeinschaft and Gasellschaft	1. एफ. टॉनीज/F. Tonnies
b. सांस्कृतिक विलम्बन/Cultural lag	2. दुर्खीम/Durkheim
c. आत्महत्या/Suicide	3. वी. पेरेटो/Vilfredo Pareto
d. अभिजात्य वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त/Theory of Circulation of Elites	4. ऑगबर्न/Ogburn

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	1	4	2	3
(D)	1	3	4	2

20. (A)
- जैमिनशैफ्ट एवं जैसिलशैफ्ट समुदायों की अवधारणा का प्रतिपादन एफ. टॉनीज द्वारा किया गया।
- आगबर्न द्वारा सांस्कृतिक विलम्बन का सिद्धान्त प्रस्तुत किया गया था।
- दुर्खीम ने आत्महत्या के अर्थ, प्रकार, कारणों और प्रभावों का अध्ययन किया था।
- बी पैरेटो द्वारा 'अभिजात्य वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त दिया गया था।'

21. 'द एलीमेंटरी फार्म्स आफ रिलीजस लाइफ' नामक पुस्तक किसने लिखी ?
Who authored the book 'The Elementary Forms of Religious Life' ?

(A) दुर्खीम/Durkheim
(B) स्पेंसर/Spencer
(C) टायलर/Tylor
(D) मैक्स मुल्लर/Max Muller

21. (A) फ्रांसीसी समाजशास्त्री ईमाइल दुर्खीम की पुस्तक द एलीमेंटरी फार्म्स ऑफ रिलीजन लाइफ (1912) में प्रकाशित हुई थी। इस पुस्तक में इन्होंने धर्म की प्रकृति, उन्नति और प्रभाव के विषय में विस्तृत विवेचना की है।
- मैक्समूलर की दो प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं–
  1. भारतीय विधा
  2. पूर्व की पवित्र पुस्तकें
- मैक्समूलर के अनुसार प्राकृति कारणों के भय के कारण धर्म की उत्पत्ति हुई थी। जैसे–बाढ़, बिजली, भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए लोगों ने ईश्वर की उपासना प्रारम्भ की थी।
- टायलर के अनुसार–अमूर्त और अभौतिक प्रेतात्माओं के प्रति भय एवं श्रद्धा ही आदिम धर्म का मूल है।

22. 'पावर इलीट' की अवधारणा किसने दी ?
Who gave the concept of 'Power Elite' ?
(A) मैक्स वेबर/Max Weber
(B) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(C) सी. डब्ल्यू. मिल्स/C.W. Mills
(D) आर.के. मर्टन/R. K. Merton

22. (C) पावर इलीट की अवधारणा का प्रतिपादन सी. डब्ल्यू मिल्स द्वारा दी गई।
मिल्स के अनुसार, "बेहतर बौद्धिक, सामाजिक या आर्थिक स्थिति का आनन्द लेने वाले व्यक्तियों के समूहों का या वर्ग को शक्ति अभिजन वर्ग कहा जाता है।
- मिल्स के अनुसार, "पुरुष अपनी पृष्ठभूमि और सम्पर्क प्राप्त करने के लिए अभिजात्य विशेषाधिकार के लिए आवश्यक शिक्षा प्राप्त करता है, जिससे उसे सत्ता अभिजन वर्ग की तीन शाखाओं में प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। जो इस प्रकार हैं–
  1. राजनीति नेतृत्व
  2. मिलिट्री सर्कल
  3. कॉर्पोरेट अभिजात वर्ग

23. भारतीय कृषक वर्ग का वर्गीकरण "मालिक, किसान एवं मजदूर" के रूप में किसने किया है ?
Who classified Indian Agrarian class as "Malik, Kisan and Mazdoor" ?
(A) रेडफील्ड/Redfield
(B) क्रोबर/Kroeber
(C) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(D) डैनियल थार्नर/Daniel Thorner

23. (D) डेनियल थार्नर ने भारतीय कृषक वर्ग को मालिक, किसान मजदूर में वर्गीकृत किया। (जमींदार) (महाजन/साहूकार) (जमींदार की भूमि पर काम करने वाले कृषक मजदूर)
- डॉ श्रीनिवास ने ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण से सम्बन्धित मुख्य परिवर्तनों को संस्कृतिकरण की प्रक्रिया के रूप में स्पष्ट किया है।
- एडफील्ड ने ग्रामीण बसावर की मौलिक प्रकृति तथा आवासों के संयोजन के आधार पर पाँच प्रतिमान बताये है–
  1. आयताकार प्रतिमान
  2. पंक्तिनुमा प्रतिमान
  3. गोलाकार प्रतिमान
  4. निहारिका प्रतिमान
  5. बिखरा हुआ प्रतिमान।

24. 'जनसंख्या ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है। जीवन निवहि सामग्री गणितीय अनुपात में बढ़ती है।' ऐसा किसने कहा है ?
'Population increases in a geometrical ratio. Subsistence increases in arithmetical ratio.' Who stated like this ?
(A) माल्थस/Malthus
(B) फ्रायड/Freud
(C) के. डेविस/K. Davis
(D) मैकाइवर/Maciver

24. (A) प्रस्तुत कथन माल्थस का है। माल्थस ने अपने जनसंख्या सम्बन्धी सिद्धान्त को अपनी महत्वपूर्ण कृति एन एस्से आन द प्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशन 1978 में प्रस्तुत किया था। माल्थस ने बताया कि यदि जनसंख्या वृद्धि में किसी प्रकार की बाधा उपस्थित नहीं की जाये, तो वह खाद्य सामग्री की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति रखती है। अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण देश में बेकारी, भूखमरी, भ्रषक, बीमारी आदि का बोलबाला होगा। देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जायेगी।
माल्थस ने जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए दो उपाय बताये–
1. नैतिक संयम (गर्भपात, गर्भ-विरोधी उपाय करने को उन्होंने दुष्कर्म और पाप माना है) इसलिए उन्होंने नैतिक संयम को महत्वपूर्ण माना।
2. प्राकृतिक उपाय (जिसमें प्रकृति स्वयं जनसंख्या वृद्धि पर रोक) लागती है।

25. "जाति एक बंद वर्ग है।" इस कथन से कौन सम्बन्धित है ?
"Caste is a Closed Class." Who is associated with this statement ?
(A) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(B) केतकर/Ketkar
(C) पार्सन्स/Parsons
(D) मजूमदार/Majumdar

25. (D) जाति शब्द अंग्रेजी भाषा के कास्ट का हिन्दी अनुवाद है। अंग्रेजी के Caste शब्द की उत्पत्ति पुर्तगाली भाषा के Casta शब्द से हुई है, जिसका अर्थ मत, विभेद या जाति से लगाया जाता है। जाति शब्द की उत्पत्ति का पता सन् 1665 में ग्रेसिया डी. ओरेटा नामक विद्वान ने लगाया।
- मजूमदार एवं मदान के अनुसार "जाति एक बंद वर्ग है।"
- जी. एस. घुर्ये ने जाति की 6 प्रमुख विशेषताओं को बताया है–
  1. समाज का खंडात्मक विभाजन
  2. संस्तरण
  3. योजना तथा सामाजिक सहवास पर प्रतिबंध
  4. नागरिक एवं धार्मिक निर्योग्यताएँ एवं विशेषाधिकार
  5. पेशे के प्रतिबन्धित चुनाव का अभाव
  6. विवाह सम्बन्धी प्रतिबन्ध
- केतकर के अनुसार "जाति दो विशेषताओं वाला सामाजिक समूह है।

26. 'दि हरिजन इलीट' नामक पुस्तक किसने लिखी?
Who wrote the book 'The Harijan Elite' ?
(A) सच्चिदानंद/Sachchidananda
(B) आन्द्रे बेतेइ/Andre Beteille
(C) सी. पार्वथम्मा/C. Parvathamma
(D) टी. एन. मदन/T. N. Madan

26. (A) The Harijan एलीट : ए स्टडी ऑफ देयर स्टेट्स, नेटवर्क्स, मोबिलिटी एंड रोल इन सोशल ट्रांसफॉर्मेशन 1977 पुस्तक सच्चिदानंद जी की है।
- आन्द्रे बेतेइ की पुस्तकें–
  - ❖ Society and Politics in India (1991)
  - ❖ Caste, Class and Power (1965)
  - ❖ Sociology essay on Approach & Method (2002)

आन्द्रे बेतेइ को भारत सरकार द्वारा सन् 2005 में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया था।
- सी. पार्वथम्मा भारत की पहली दलित महिला समाजशास्त्री थी। सी. पार्वथम्मा की प्रमुख पुस्तकें–
  - ❖ Scheduled Castes at the Cross Roads (1989)
  - ❖ Housing, Rural Poor and their Living Condition (1987)
  - ❖ Scheduled Castes and Tribes! A Socio-economic survey (1984)
  - ❖ New Horizons and Scheduled Castes (1989)

27. 'संस्कृतिकरण' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की?
The concept of 'Sanskritization' was given by whom ?
(A) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(B) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(C) योगेन्द्र सिंह/Yogendra Singh
(D) ए. आर. देसाई/A. R. Desai

27. (B) श्री निवास के अनुसार, "संस्कृतिकरण की प्रक्रिया में निचली या मध्यम हिन्दू जाति या जनजाति या कोई अन्य समूह, अपनी प्रथाओं, रीतियों और जीवनशैली को उच्च या प्रायः द्विज जातियाँ की दिशा में बदल लेते हैं। प्रायः ऐसे परिवर्तन के साथ ही वे जातिव्यवस्था में उस स्थिति से उच्चतर स्थिति के दाबेदार भी बन जाते हैं, जो कि परम्परागत रूप से स्थानीय समुदाय उन्हें प्रदान करता आया हो। संस्कृतिकरण के अपने इस सिद्धान्त का प्रतिपादन श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक 'रिलीजन एन्ड सोसाइटी अमंग द कूर्स ऑफ साउथ इंडिया में किया।
- घुरिये की प्रथम कृति Caste and Race सन् 1932 में प्रकाशित हुई थी। प्रो. घुरिये ने इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी की स्थापना की। 1952 में 'सोशियोलॉजिकल बुलेटिन' नामक पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया।
- घुरिये के अनुसार "समाजशास्त्र को भारतीय समाज का अध्ययन धार्मिक संस्कृत ग्रन्थों के अपने पर करना चाहिए।"

❖ इनकी प्रमुख पुस्तक इस प्रकार है–
1. कास्ट, क्लास एण्ड ओक्यूपेशन (1961)
2. फेमिली एण्ड किन इन इण्डो यूरोपियन कल्चर (1982)
3. The शिड्यूल ट्राइब्स (1903)
4. दि महादेव कोलिज (1963)
5. दि इंडियन साधुज (1984)
6. सोशल टेन्शन इन इंडिया (1968)

- ❖ योगेन्द्र सिंह भारत के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया, संस्कृतिकरण की सीमा, पश्चिमीकरण और भारत में सामाजिक परिवर्तन की व्याख्या करने में छोटी और महान परम्परा के आलोचनात्मक विश्लेषण पर काम करने के लिए प्रसिद्ध है।
- ❖ प्रमुख नुसक है–भारतीय परम्परा का आधुनिककीकरण सामाजिक परिवर्तन का एक व्यवस्थित अध्ययन (1973)।

28. किस भारतीय विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारम्भ हुआ था ?
In which of the Indian Universities teaching of sociology was first started ?
(A) बम्बई/Bombay
(B) उस्मानिया/Osmania
(C) मैसूर/Mysore
(D) लखनऊ/Lucknow

28. (A) आगस्ट काम्टे को समाजशास्त्र का जन्मदाता कहा जाता है। सर्वप्रथम सन् 1914 में बम्बई विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर समाजशास्त्र का अध्ययन कार्य शुरू हुआ। यही सन् 1911 में ब्रिटिश समाजशास्त्री पैट्रिक गेडिस की अध्यक्षता में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना हुई। सन् 1917 में कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रो. बृजेन्द्रनाथ शील के प्रयत्नों से अर्थशास्त्र विषय के साथ समाजशास्त्र का अध्ययन कार्य चालू किया गया।
1929 में घुरिये को बम्बई विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष का पद सुशोभित करने का अवसर मिला।
1921 में लखनऊ विश्वविद्यालय में राधाकमल मुखर्जी के प्रयासों से समाजशास्त्र का अध्ययन कार्य चालू किया गया।

29. 'हिन्दू सोशल आर्गनाइजेशन' पुस्तक के लेखक हैं–
The author of the book 'Hindu Social Organisation' is
(A) आर. के. मुखर्जी/R. K. Mukherjee
(B) पी. एच. प्रभु/P. H. Prabhu
(C) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(D) के. एम. कपाड़िया/K. M. Kapadia

29. (B) ● हिन्दू सोशल आर्गनाइजेशन (1954) पुस्तक के लेखक पी. एच प्रभु हैं।
● के. एम. कपाड़िया की प्रमुख पुस्तक है–
1. हिन्दू किनशिप (1947)
2. चेंजिंग पेटर्स ऑफ हिन्दू मैरिज एण्ड फेमिली (1955)

30. निम्नलिखित पुस्तकों में से जी. एस. घुर्ये द्वारा लिखित पुस्तक कौन-सी है ?
Which of the following books was written by G. S. Ghurye ?
(A) कास्ट इन इंडिया/Caste in India
(B) कास्ट, क्लास एण्ड आक्युपेशन/Caste, Class and Occupation
(C) हिस्ट्री आफ कास्ट इन इंडिया/History of Caste in India
(D) ओरिजिन एण्ड ग्रोथ आफ कास्ट इन इंडिया/Origin and Growth of Caste in India

30. (B) ● कास्ट, क्लास एण्ड ऑक्यूपेसन (1961) घुरिये द्वारा लिखित पुस्तक है।
● कास्ट इन इंडिया (1916) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा लिखित पुस्तक है।
● हिस्ट्री ऑफ कास्ट इन इंडिया (1909) केतकर द्वारा लिखित पुस्तक है।
● ओरिजिन एण्ड ग्रोथ ऑफ कास्ट इन इंडिया (1931) नृपेन्द्र कुमार दन्त द्वारा लिखित पुस्तक है।

31. काम्ट के मानव विकास के त्रि-स्तरीय नियम के अनुसार, निम्नलिखित में से सही अनुक्रम कौन-सा है ?
Which one of the following is the correct sequence in Comte's law of three stage of human progress ?
(A) प्रत्यक्षवादी-धार्मिक-तात्विक/Positivistic-Theological-Metaphysical
(B) धार्मिक-प्रत्यक्षवादी-तात्विक/Theological-Positivistic-Metaphysical
(C) तात्विक-धार्मिक-प्रत्यक्षवादी/Metaphysical-Theological-Positivistic
(D) धार्मिक-तात्विक-प्रत्यक्षवादी/Theological-Metaphysical-Positivistic

31. (D) सन् 1822 में काम्टे ने मानव विकास के त्रिस्तरीय का प्रतिपादन किया था। काम्टे ने मानव मस्तिष्क और सामाजिक संगठन के विकास की तीन अवस्थाओं इस प्रकार प्रस्तुत किया–
1. **धार्मिक अवस्था**–इस अवस्था में सम्पूर्ण ज्ञान की खोज करने में मानव मस्तिष्क यह मान लेता है कि समस्त घटनाचक्र अलौकिक क्रियाओं (ईश्वर) का परिणाम होता है।
2. **तात्विक अवस्था**–यह अवस्था धार्मिक एवं प्रत्यक्षवाद के मध्य की अवस्था होती है। इस स्तर पर मनुष्य के भीतर तर्कशक्ति का विकास होने लगता है। अर्थात् उसके भीतर कई प्रश्न उठने लगते हैं जैसे ईश्वर कैसा दिखता है ? बहा कहाँ है ? क्यों है ? इस अवस्था में व्यक्ति के भीतर अन्धविश्वासों से दूर हटने की प्रवृत्ति जन्म लेने लगती है।
3. **प्रत्यक्षवादी या वैज्ञानिक अवस्था**–इस अवस्था में व्यक्ति उन्हीं तथ्यों को स्वीकार करता है, जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है।

32. 'यूफंक्शन' और 'डिस्फंक्शन' की अवधारणाओं को किसने प्रस्तुत किया ?
Who produced the concepts of 'Eufunction' and 'Disfunction' ?
(A) टी. पारसन्स/T. Parsons
(B) बी. मैलिनास्की/B. Malinowski

(C) सी. डब्ल्यू. मिल्स/C. W. Mills
(D) मैरियन जे. लेवी/Marian J. Levy

32. (D) यूफंक्शन और डिस्फंक्शन की अवधारणाओं को अमेरिकी समाजशास्त्री मैरियन जे लेवी जूनियर द्वारा दिया गया है। यह अपने आधुनिकीकरण सिद्धान्त पर काम के लिए प्रसिद्ध थे। इनकी प्रमुख पुस्तक इस प्रकार है–

- मॉडर्नाइजेशन : प्लेटकॉमर्स एण्ड सर्वाइवर्स (1972)
- मॉडर्नाइजेशन एंड द स्ट्रक्चर ऑफ सोसाइटीज (1966)

इसके अतिरिक्त टालकार पार्सन्स एक अमेरिकी समाजशास्त्री थे। जिन्होंने सामाजिक क्रिया के सिद्धान्त को विकसित किया और समाज के व्यवहार के लिए एक संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। पार्सन्स ने बताया था कि सामाजिक संरचना की चार प्रमुख प्राथमिक आवश्यकतायें होती हैं–

1. अनुकूलतम
2. लक्ष्य
3. एकीकरण
4. विलम्बता

इस सिद्धान्त को (ए.जी.आई.एल.) मॉडल भी कहा जाता है।

33. निम्नलिखित में से कौन सहगामी प्रक्रिया नहीं है?
Which of the following is not an associative process ?
(A) सहयोग/Cooperation
(B) प्रतिकूलता/Contravention
(C) सात्मीकरण/Assimilation
(D) समायोजन/Accommodation

33. (B) प्रतिकूलता सहगामी प्रक्रिया नहीं है।

- सहयोग, सात्मीकरण, समायोजन सहगामी प्रक्रिया है क्योंकि इन प्रक्रियाओं के माध्यम से समाज की व्यवस्था और संगठन में एकता उत्पन्न होती है।
- **सहयोग**–सहयोग सामाजिक प्रक्रिया का वह रूप है जिनमें दो या दो से अधिक व्यक्ति या समूह एक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक साथ मिलकर कार्य करते हैं।
- **सात्मीकरण**–जब एक संस्कृति द्वारा अपने से भिन्न दूसरी संस्कृति को अपने में घुला मिला लेती है तो वह सात्मीकरण की प्रक्रिया कहलाती है। सात्मीकरण एक प्रगतिशील प्रक्रिया है जिसमें व्यक्तियों, समूहों के मध्य मतभेद कम होते है तथा सामान्य हितों की प्राप्ति के लिए समानता में वृद्धि करते हैं।
- **समायोजन**–समायोजन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन रखता है।
- **प्रतिकूलता**–प्रतिकूलता का तात्पर्य विरोधी परिस्थितियों से है, जो व्यक्ति या सामाजिक व्यवस्था के सन्तुलन में कठिनाई उत्पन्न करती है।

34. 'किनशिप आर्गनाइजेशन इन इंडिया' शीर्षक पुस्तक के लेखक कौन है ?
Who has authored the book entitled 'Kinship Organisation in India' ?
(A) इरावती कर्वे/Iravati Karve
(B) के. एम. कपाड़िया/K. M. Kapadia
(C) कोलेण्डा/Kolenda
(D) एस. सी. दुबे/S. C. Dubey

34. (A) किनशिप ऑर्गनाइजेशन इन इंडिया (1968) पुस्तक इरावती कर्वे द्वारा रचित है। इरावती कर्वे के अनुसार, नातेदारी रक्त और विवाह से सम्बन्धित व्यक्तियों के बीच सामाजिक सम्बन्धों और सम्बोधनों की वह व्यवस्था है, जो इन सम्बन्धों से जुड़े हुए व्यक्तियों को उनके सामाजिक, पारिवारिक तथा जैविक अधिकारों और कर्तव्यों का बोध कराती है।

35. "समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के विषय में है" यह कथन किसका है ?
"Sociology is about Social Relationships." Whose statement is this ?
(A) मैकाइवर एवं पेज/Maciver and Page
(B) गिलिन एवं गिलिन/Gillin and Gillin
(C) एफ. एच. गिडिंग्स/F. H. Giddings
(D) इ. दुर्खीम/E. Durkheim

35. (A)

- मैकाइवर और पेज के अनुसार "समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है।"
- वार्ड के अनुसार "समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है।"
- गिलिन के अनुसार "समाजशास्त्र, मोटे अर्थ में, मनुष्यों के सम्बन्ध से उत्पन्न अन्तर्क्रियाओं का अध्ययन है। इनकी पुस्तक है। कल्चरल सोशियालॉजी।"
- गिडिंग्स के अनुसार "समाजशास्त्र समाज के बारे में है। यह सामाजिक सम्बन्धों व घटनाओं का वर्णन करता है। यह वर्णन कल्पनात्मक एवं संशयात्मक नहीं बल्कि व्यवस्थित व क्रमबद्ध होता है।
- दुर्खीम के अनुसार "समाजशास्त्र सामूहिक प्रतिनिधित्व का विज्ञान है।"

36. 'प्रत्यक्षवाद' की अवधारणा निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रतिपादित की गई ?
The concept of 'positivism' was coined by whom of the following ?
(A) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(B) सी. एच. कूले/C. H. Cooley
(C) आगस्त काम्टे/Auguste Comte
(D) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim

36. (C) प्रत्यक्षवाद की अवधारणा का प्रतिपादन सर्वप्रथम फ्रांसीसी समाजशास्त्री आगस्त काम्टे द्वारा दी गई। काम्टे के अनुसार "प्रत्यक्षवाद का अर्थ सामाजिक घटनाओं का प्रत्यक्ष रूप से निरीक्षण करके किसी निष्कर्ष तक पहुँचना है।
काम्टे ने अपनी रचनाओं 'course of positive philosophy (1842) में तथा The System of Positive Polity (1851) में इस अवधारणा की व्याख्या की है। काम्टे के अनुसार निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग, वर्गीकरण के माध्यम से सामाजिक घटनाओं, तथ्यों का व्यवस्थित वैज्ञानिक अध्ययन सम्भव है।

37. 'सैक्रेड और प्रोफेन' (पवित्र और अपवित्र) की अवधारणा किसने दी ?
Who has given the concept of 'Sacred and Profance'?
(A) स्पेंसर/Spencer
(B) वेबर/Weber
(C) सोरोकिन/Sorokin
(D) दुर्खीम/Durkheim

37. (D) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'The elementry of forms of Religious life' पुस्तक में धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धित सिद्धान्त को प्रस्तुत किया। दुर्खीम के अनुसार "समाज ही धर्म की उत्पत्ति का मूल कारण है। दुर्खीम में स्पष्ट किया या कि सामूहिक जीवन की समस्त वस्तुओं को, चाहे वे सरल हो या जटिल, वास्तविक हो या आदर्शात्मक दो भागों में बांटा जा सकता है।

1. अपवित्र या साधारण वस्तुयें
2. पवित्र वस्तुयें

समाज का सामूहिक दृष्टिकोण ही किसी वस्तु को पवित्र और अपवित्र बनाता है। पवित्र वस्तुओं का अर्थ यह बिल्कुल भी नहीं है कि सभी वस्तुएँ ईश्वरीय या धार्मिक क्रियाकलापों से सम्बन्धित हो। गाय के दूध में ऐसा कोई गुण नहीं होता है जो उसे पवित्र बनाये फिर भी वह पवित्र है क्योंकि सामूहिक चेतना के माध्यम से इन वस्तुओं को पवित्र या अपवित्र माना जाता है।

38. किसने कहा है "यह देखा गया है कि मुखर्जी की विचार करने की सामर्थ्य पूर्व और पाश्चात्य विचारों के असामान्य समन्वय का प्रतिनिधित्व करती है"?

Who stated that "It is seen that Mukherjee's thinking represents and unusual combination of Eastern and Western thought" ?

(A) बलजीत सिंह/Baljeet Singh
(B) एस. चन्द्रा/S. Chandra
(C) चार्ल्स बगल/Charles Bougle
(D) ई. एस. बोगार्डस/E. S. Bogardus

38. (D) • राधाकमल मुखर्जी के सन्दर्भ में उपर्युक्त कथन बोगार्डस द्वारा प्रस्तुत किया गया।
• चार्ल्स बर्गल ने अपनी कृति 'मूल्यों का उद्विकास' ने अपने मूल्यों के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया। बर्गल के अनुसार "मूल्य निरन्तर परिवर्तन होने वाली अवधारणा है। मूल्य एकपक्षीय होते हैं।"
• मुखर्जी के अनुसार "मूल्य समाज द्वारा मान्यता प्राप्त इच्छाएँ तथा लक्ष्य है। जिनका आन्तरीकरण सीखने अथवा समाजीकरण के माध्यम से होता है।

39. भारत में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरूआत कब की गई थी ?
'Beti Bachao, Beti Padhao' Yojana has been launched in India in

(A) जनवरी 2015/January 2015
(B) अप्रैल 2015/April 2015
(C) जून 2015/June 2015
(D) सितम्बर 2015/September 2015

39. (A) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरुआत 22 जनवरी, 2015 को हमारे देश के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेटियों के जीवन स्तर को सुधारने तथा उज्जवल भविष्य का निर्माण करना है। इस योजना के अन्तर्गत बेटी के माता -पिता इसके 14 वर्ष होने तक धनराशि जमा करनी होगी। बेटी के 18 वर्ष के होने के बाद इस धनराशि का 50% निकाला जा सकता है और 21 वर्ष के बाद पूरी धनराशि निकाली जा सकती है।

40. जी. पी. मुरडाक के अनुसार द्वितीयक नातेदारी की श्रेणी के अन्तर्गत कितने नातेदार आते हैं ?
According to G. P. Murdock how many relatives come under the category of secondary kinship ?

(A) 31 (B) 32
(C) 33 (D) 34

40. (C) जी. पी. मुरडाक ने नातेदारी का गहन अध्ययन किया है। मरडाक के अनुसार द्वितीयक नातेदारी की श्रेणी के अन्तर्गत 33 नातेदार आते हैं।
• द्वितीयक नातेदारी "जो लोग उपर्युक्त प्राथमिक सम्बन्धियों के प्राथमिक सम्बन्धी है, उन्हें हम द्वितीयक सम्बन्धी कहते हैं। जैसे—चाचा-भतीजा, मामा, नाना-नानी, सास-ससुर, देवर-भाभी आदि।

1. प्राथमिक नातेदार—जब व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से प्रत्यक्ष सम्बन्धित होते हैं, तो उसे हम प्राथमिक सम्बन्धी कहते हैं। जैसे—पिता-पुत्र, माता-पुत्र, भाई-बहिन, भाई-भाई, बहिन-बहिन आदि।

2. तृतीयक सम्बन्धी—इस श्रेणी में उन नातेदारों को सम्मिलित किया जाता है जो हमारे प्राथमिक सम्बन्धों के द्वितीयक सम्बन्धी या हमारे द्वितीयक सम्बन्धों के प्राथमिक सम्बन्धी है। जैसे—पितामह हमारे तृतीयक सम्बन्धी होंगे। दादा के पिता भी तृतीयक सम्बन्धी है।

41. निम्नलिखित में कौन एक पुरुषार्थ नहीं है ?
Which of the following is not a Purushartha?

(A) धर्म/Dharm (B) अर्थ/Arth
(C) काम/Kam (D) मृत्यु/Mrityu

41. (D) मृत्यु को पुरुषार्थ नहीं माना जाता है। हिन्दु सभ्यता के अनुसार "पुरुषार्थ का अर्थ मानव के लक्ष्यों से है। अर्थात् विवेकशील मनुष्यों के लक्ष्यों की प्राप्ति ही पुरुषार्थ है।" वेदों में चार पुरुषार्थी का नाम लिया गया है—
1. धर्म, 2. अर्थ, 3. काम, 4. मोक्ष

धर्म—धर्म कोई उपासना पद्धति ना होकर विलक्षण और विराट जीवन-पद्धति है। यह चिकित्सा है मनुष्य को आधि, व्याधि, उपाधि से मुक्त कर सार्थक जीवन तक पहुँचाने की। यह स्वयं द्वारा स्वयं की खोज है। धर्म ज्ञान और आचारण की खिड़की खोलता है।

अर्थ—जीवन की प्रगति का आधार ही अर्थ यानि धन है। अर्थोपार्जन मनुष्य का पवित्र कर्तव्य है। उद्योग—धंधे, व्यापार, कृषि, धार्मिक कार्यों, प्रचार, अनुष्ठानों को चलाने के लिए धन की आवश्यकता होती है।

काम—जो सुख है, सामान्य रूप से वही काम है। काम से श्रेष्ठ अर्थ है और अर्थ से श्रेष्ठ धर्म है।

मोक्ष—मोक्ष को प्राप्त कर लेना ही आत्मा का मुख्य उद्देश्य है जो कि मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

42. 'अभौतिक संस्कृति' की अवधारणा किसने दी ?
Who has given the concept of 'non-material culture' ?

(A) सोरोकिन/Sorokin
(B) मैक्स वेबर/Max Weber
(C) पैरेटो/Pareto
(D) आगबर्न/Ogburn

42. (D) आगबर्न ने अपनी पुस्तक सोशल चेंज में सामाजिक परिवर्तन के सांस्कृतिक विलम्बना का सिद्धान्त प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्कृति को दो भागों में विभाजित किया—
1. भौतिक संस्कृति
2. अभौतिक संस्कृति
• **भौतिक संस्कृति का तात्पर्य**—ऐसी वस्तुएँ जो हमें दिखाई देती है जैसे पुस्तक, घर, रेल, मोबाइल, हवाई जहाज आदि।
• अभौतिक संस्कृति हमें दिखाई नहीं देती है। जैसे—धर्म, दर्शन, कला, प्रथा, मूल्य, विश्वास, परम्परा आदि।
• इनके अनुसार "विकास की प्रक्रिया में जब भौतिक संस्कृति आगे बढ़ जाती है एवं अभौतिक संस्कृति पीछे रह जाती है तो इस असन्तुलन को वे सांस्कृतिक विलम्बना (Cultural Lag) कहते हैं।

43. 'आण्विक परिवार' और 'गृहस्थ परिवार' की अवधारणाएँ किसने विकसित कीं ?
Who developed the concepts of 'Atomistic family' and Domestic family'?

(A) जिमरमैन/Zimmerman
(B) चार्ल्स कूले/Charles Cooley
(C) पी. एच. प्रभु/P. H. Prabhu
(D) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt

43. (A) जिमरमैन ने अपने पुस्तक Family and Civilization (1947) में तीन प्रकार के परिवारों की चर्चा की है—

1. न्यासिता परिवार—जब किसी परिवार में व्यक्तिगत स्वार्थ की तुलना में समस्त परिवार का स्वार्थ सर्वोपरि होता है, तो ऐसे परिवार न्यासिता परिवार कहा जाता है। न्यासिता परिवार में उसके सदस्यों की स्थिति न्यास की होती है।

2. अतिलघु परिवार—जब परिवार में सदस्यों का अपना स्वार्थ सर्वोपरि हो जाता है, तो उसे अतिलघु परिवार कहा जाता है। इसमें व्यक्ति विशेष का स्वार्थ ही परिवार का स्वार्थ माना जाता है।

3. घरेलू परिवार—यह अतिलघु परिवार एवं न्यासिता परिवार के बीच की स्थिति है। कुछ ऐसे भी परिवार होते हैं, जहाँ व्यक्ति के स्वार्थ एवं परिवार के स्वार्थ में एक समझौते की स्थिति होती है। इन परिवारें में आवश्यकता पड़ने पर बच्चे तथा माता-पिता पारिवारिक समस्याओं पर मिल जुलकर विचार-विमर्श करते हैं। पाश्चात्य देशों में अतिलघु परिवार तथा भारत में घरेलू परिवार की प्रधानता होती है।

44. भारत में 'पिछड़ा वर्ग आयोग' का प्रथम सभापति कौन था ?
Who was the first Chairman of the 'Backward Class Commission' in India ?
(A) बी. पी. मण्डल/B. P. Mandal
(B) काका कालेलकर/Kaka Kalelkar
(C) आर. एन. प्रसाद/R. N. Prasad
(D) राजिन्दर सच्चर/Rajinder Sachar

44. (B)
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 340 का पालन करते हुए, काका कालेलकर की अध्यक्षता में 29 जनवरी, 1953 को राष्ट्रपति के ओदश द्वारा प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना की गई थी। इसे प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग, 1955 या काका कालेलकर आयोग के रूप में भी जाना जाता है।
- वर्ष 2017 में 123वां संविधान संशोधन विधायक संसद में प्रस्तुत किया गया ताकि पिछड़े वर्गों के हितों को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जा सके।
- अनुच्छेद 338B सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों से सम्बन्धित शिकायतों और कल्याणकारी उपयों की जांच करने के लिए NCBC का अधिकार प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 342A राष्ट्रपति को विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों से सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को निर्दिष्ट करने का अधिकार प्रदान करता है।
- दूसरा पिछड़ा वर्ग आयोग 1979 में श्री बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में गठित हुआ था। इसे वी. पी. मंडल आयोग के नाम से भी जाना जाता है।

45. 'श्वेत वसन अपराध' के साथ किसका नाम जुड़ा हुआ है ?
Whose name is associated with 'White Collar Crime' ?
(A) सदरलैण्ड/Sutherland
(B) लोम्ब्रोसो/Lombroso
(C) बेकारिया/Becaria
(D) गोडार्ड/Goddard

45. (A) सदरलैण्ड के अनुसार "सफेद पोश अपराध आर्थिक रूप से प्रेरित अहिंसक व्यापार और सरकार के पेशेवरों द्वारा प्रतिबद्ध अपराधों को दर्शाता है। सन् 1939 में सदरलैण्ड ने सफेदपोश अपराधों में धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, पोंजी योजनाओं, इनसाइडर ट्रेडिंग, गबन, श्रम धमकी देकर मांगना, कॉपीराइट का उल्लंघन, पहचान की चोरी, साइबर अपराध, जालसाजी को शामिल किया। इस प्रकार श्वेतवसन अपराध वह अपराध होता है, जो उच्च वर्ग के व्यक्तियों द्वारा किया जाता है, क्योंकि इनके पास धन की कोई कमी नहीं होती है। ये व्यक्ति धन की आड़ में बच निकलते हैं।
Sutherland की पुस्तक है—White Collar Crime (1949)

46. योगेन्द्र सिंह के अनुसार पाश्चात्यीकरण के अन्तर्गत, निम्नलिखित में से मूल्यों का कौन-सा सेट सम्मिलित है ?
According to Yogendra Singh westernization involves which of the following set of values ?
(A) मानवतावाद और उदारवाद/ Humanitarianism and Liberalism
(B) मानवतावाद और भौतिकवाद/ Humanitarianism and Materialism
(C) मानवतावाद और तर्कबुद्धिवाद/ Humanitarianism and Rationalism
(D) तर्कबुद्धिवाद और भौतिकवाद/ Rationalism and Materialism

46. (C) योगेन्द्र सिंह के अनुसार पश्चात्यीकरण के अन्तर्गत मानवतावाद और तर्कबुद्धिवाद का महत्व होता है।
- योगेन्द्र सिंह ने भारतीय सामाजिक संरचना तथा परम्पराओं के स्वरूपों व प्रकार्यों में जो परिवर्तन हो रहे हैं, उन परिवर्तनों की व्यापक शृंखला के बारे में भी ध्यान आकर्षित किया।

योगेन्द्र सिंह के अनुसार, "मानवतावाद तथा तार्किकता पर जोर पश्चिमीकरण का एक अंग है। जिसने भारत में संस्थागत तथा सामाजिक सुधारों का सिलसिला आरम्भ कर दिया। वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी, शिक्षण संस्थाओं की स्थापना, राष्ट्रीयता का उदय, देश में नवीन राजनीति संस्कृति और नेतृत्व सबके सब पश्चिमीकरण की उपोत्पादन का गौण उत्पादन है।"

47. निम्नलिखित में से कौन जनसंख्या की रचना करता है ?
Which of the following determines the composition of population ?
(A) जन्म और मृत्यु दर/Birth and death rate
(B) देशान्तर की दिशा/Direction of migration
(C) लिंग अनुपात/Sex ratio
(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

47. (D) जन्म और मृत्यु दर, देशान्तरण की दिशा, लिंगानुपात मिलकर ही जनसंख्या की रचना करते हैं।

48. समाजशास्त्र की पद्धतिशास्त्र में 'आदर्श प्ररूप' की अवधारणा को किसने विकसित किया ?
Who has developed the concpet of 'Ideal Type' in the methodology of sociology ?
(A) आगस्त काम्टे/Auguste Comte
(B) दुर्खीम/Durkheim
(C) वेबर/Weber
(D) स्पेंसर/Spencer

48. (C)
- वेबर को आधुनिक समाजशास्त्र का दूसरा संस्थापक कहा जाता है। वेबर ने समाजशास्त्र के अध्ययन के लिए दो पद्धतियों का प्रयोग किया—
  1. वस्तुनिष्ठ पद्धति
  2. व्यक्तिनिष्ठ पद्धति

  वेबर ने मानव व्यवहार के अध्ययन के लिए इन दोनों पद्धतियों के आधार पर आदर्श प्रारूप एवं वरटेहन पद्धति का प्रयोग किया।
- आदर्श प्रारूप का तात्पर्य "आदर्श प्रारूप एक ऐसी रूपरेखा है, जो कि सामाजिक घटनओं में निहित तार्किकता या समानता इत्यादि के आधार पर निर्मित किया जाता है। यहाँ आदर्श प्रारूप का अर्थ आदर्शात्मक विचारों, मानक मूल्यों से नहीं है बल्कि एक विशिष्ट श्रेणी या प्रकार से है जो उस प्रकार की समस्त घटनाओं या क्रियाओं की वास्तविकता को व्यक्त करता है।

49. किसने परिवार के निम्नलिखित दो प्रकार सुझाए हैं—
Who suggested the following two types of family:
(i) जन्मित परिवार/Family of orientation
(ii) प्रजनन परिवार ?/Family of procreation?
(A) एफ. ई. मैरिल/F. E. Merrill
(B) आगबर्न एवं निमकाफ/Ogburn and Nimkoff
(C) डब्ल्यू. एल. वार्नर/W. L. Warner
(D) गिलिन एवं गिलिन/Gillin and Gillin

49. (C) W.L. वार्नर ने परिवार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए लिखा कि व्यक्ति जिस परिवार मे जन्म लेता है, वह उसका जन्म का परिवार होता है तथा विवाह एवं सत्तोत्पत्ति के तारा जिस परिवार का निर्माण करता है, वह उसका प्रजनन परिवार होता है। इस प्रकार वार्नर ने परिवार के दो प्रकार बताये हैं—
1. जन्मित परिवार
2. प्रजनन परिवार
- आगबर्न ने परिवार के निम्न कार्य बताए हैं—

1. स्नेह तथा प्रेम सम्बन्धी कार्य
2. आर्थिक कार्य
3. मनोरंजन सम्बन्धी कार्य
4. पालन पोषण सम्बन्धी कार्य
5. धार्मिक कार्य
6. शिक्षा सम्बन्धी कार्य

● मैकाइवर तथा पेज के अनुसार परिवार के कार्य–

1. अनिवार्य कार्य
❖ यौन आवश्यकता की स्थायी सन्तुष्टि
❖ संतानोत्पत्ति एवं उनका पालन-पोषण
❖ स्नेहात्मक कार्य

1. अ-अनिवार्य कार्य
❖ आर्थिक कार्य
❖ धार्मिक कार्य
❖ शैक्षणिक कार्य
❖ मनोरंजनात्मक कार्य
❖ सरकारी कार्य
❖ स्थिति प्रदान के कार्य

50. 'असहयोग' आन्दोलन निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया ?
'Non-cooperation' movement was started by whom of the following ?
(A) महात्मा गांधी/Mahatma Gandhi
(B) जवाहर लाल नेहरू/Jawahar Lal Nehru
(C) सुभाष चन्द्र बोस/Subhash Chandra Bose
(D) आचार्य विनोबा भावे/Acharya Vinoba Bhave

50. (A) असहयोग आन्दोलन महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाया जाने वाला प्रथय जन आन्दोलन था। असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 4 सितम्बर, 1920 को पारित हुआ। इस आन्दोलन का मुख्य उद्देश्य भारत से उपनिवेशवाद का खत्म करना था। सभी को अंग्रेजी सरकार के साथ, सभी ऐच्छिक सम्बन्धों का परित्याग करने को कहा गया। गांधी ने कहा कि यदि सभी असहयोग का ठीक ढंग से पालन करेगे तो भारत में एक वर्ष के अन्दर स्वराज्य की प्राप्ति होगी। इस असहयोग आन्दोलन ने अंग्रेजी शासन की नींव को हिला दिया था।

51. लेवीरेट विवाह है
Levirate marriage is
(A) दिवंगत पति के भाई के साथ विवाह/Marriage with deceased husband's brother
(B) ममेरे-फुफेरे भाइयों-बहनों के बीच विवाह/Marriage between crosscousins
(C) बहन की पुत्री के साथ विवाह/Marriage with the daughter of the sister
(D) भाई की पुत्री के साथ विवाह/Marriage with the brother's daughter

51. (A) जब पत्ती की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी का विवाह पति के भाई से कर दिया जाता है, तो इस प्रकार के विवाह को लेवीरेट विवाह कहा जाता है।
● ममेरे-फुफेरे भाइयों-बहनों के बीच होने वाले विवाह को विलिंगी सहोदर विवाह कहा जाता है।
● भाई का लड़का तथा बहन की लड़की के बीच होने वाले विवाह को पितृपक्षीय विलिंग सहोदरज विवाह कहा जाता है।
● बहन के लड़के और भाई की लड़की के बीच होने वाले विवाह को भावृपक्षीय विल्लिंग सहोदरज विवाह कहा जाता है।

52. आगस्त काम्टे का 'त्रिस्तरीय नियम' सामाजिक परिवर्तन के किस सिद्धान्त का एक स्वरूप है ?
Auguste Comte's 'Law of three stages' is a form of which theory of social change?
(A) रैखिक/Linear
(B) चक्रीय/Cyclical
(C) प्रकार्यात्मक/Functional
(D) संघर्ष/Conflict

52. (A) ● आगस्त काम्टे का त्रिस्तरीय नियम सामाजिक परिवर्तन के रैखिक सिद्धान्त का स्वरूप है।
● काम्टे, स्पेन्सर, हॉबहाऊस आदि विद्वानों ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन एक सीधी, रेखा में कुछ निश्चित स्तरों से होकर गुजरता है और प्रत्येक समाज को इन स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है।
● काम्टे ने सामाजिक परिवर्तन का सम्बन्ध मानव के बौद्धिक विकास से जोड़ा है। धार्मिक, तात्विक, वैज्ञानिक चिन्तन के विकास के साथ-साथ सामाजिक संरचना, संगठन एवं व्यवस्थाओं का भी विकास एवं परिवर्तन होता है।

53. निम्नलिखित में से राधाकमल मुखर्जी द्वारा लिखी पुस्तक चुनिए।
From the following choose the book written by Radhakamal Mukherjee.
(A) दि इवोलूशन आफ वेल्यूज/The Evolution of Values
(B) दि सोशल स्ट्रक्चर आफ वेल्यूज/The Social Structure of Values
(C) न्यू नालिज इन ह्यूमन वेल्यूज/New Knowledge in Human Values
(D) दि सोशियोलाजी आफ वेल्यूज/The Sociology of Values

53. (B) राधाकमल मुखर्जी आधुनिक भारत के प्रसिद्ध चिन्तक एवं समाज विज्ञानी थे। उत्तर प्रदेश में समाजशास्त्र के प्रणेता के रूप में भी विख्यात हैं। इनकी पुस्तक हैं–
1. The Social Structure of Value (1949)
2. The Dimensions of Human Value (1964)
3. The Destiny of Civilization (1964)
4. The Oneness of mankind (1965)
5. The Foundation of Indian Economics (1937)

मुखर्जी के अनुसार "मूल्य समाज द्वारा अनुमोदित उन इच्छाओं और लक्ष्यों के रूप में परिभाषित किये जा सकते हैं, जिन्हें अनुबन्धन अधिगम या समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा आत्मसात किया जाता है और जो व्यक्तिगत मानकों तथा आवश्यकताओं के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं।

54. निम्नलिखित में से कौन 'सामूहिक प्रतिनिधान' के अध्ययन से सम्बन्धित है ?
Who of the following is associated with the study of 'Collective Representation' ?
(A) वेबर/Weber (B) दुर्खीम/Durkheim
(C) काम्टे/Comte (D) स्पेंसर/Spencer

54. (B) सामूहिक प्रतिनिधान या सामूहिक चेतना ही अवधारणा दुर्खीम ने दी थी। दुर्खीम ने सामूहिक प्रतिनिधान के आधार पर समाजीकरण के सिद्धान्त को स्पष्ट किया। इनके अनुसार "सामूहिक प्रतिनिधित्व का तात्पर्य वे सभी विचार, मूल्य, स्वभाव, व्यवहार का तरीका है जो एक समूह के सदस्यों का साक्षा होता है। व्यक्ति जब समूह के व्यवहार को स्वीकार कर लेता है, तो समाजीकृत हो जाता है। इस प्रकार सामूहिक प्रतिनिधान व्यक्ति की सोच को पूर्णतः निर्धारित करते हैं। सामूहिक प्रतिनिधित्व व्यक्ति पर सामाजिक तथ्य के रूप में कार्य करता है। सामूहिक प्रतिनिधित्व द्वारा व्यक्त होने वाली सामूहिक चेतना व्यक्तिगत चेतना के सामने प्रधान होती है और व्यक्तिगत चेतना गौण होती है। इसलिए व्यक्ति नैतिक दबाव द्वारा समूह के अनुसार कार्य और व्यवहार करने के लिए बाध्य होता है।
●इसके अतिरिक्त वेबर ने आदर्शप्रारूप, नौकरशाही, सामाजिक क्रिया, सत्ता की अवधारणा को प्रस्तुत किया।
● काम्टे ने प्रत्यक्षवाद की अवधारणा का प्रतिपादन किया।
● स्पेन्सर ने भौतिक विश्व, जैविक सजीवों, मानवमन तथा मानवीय संस्कृति व

समाजों की क्रमिक विकास के रूप में उत्पत्ति की एक समावेशक अवधारणा विकसित की।

55. सामुदायिक भाव के तीन तत्वों का उल्लेख निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने किया ?
Who of the following sociologists described three elements of community sentiment
(i) हम का भाव/We feeling
(ii) भूमिका पालन का भाव/Role feeling and
(iii) निर्भरता का भाव/Dependency feeling
(A) आगबर्न एवं निमकाफ/Ogburn and Nimkoff
(B) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt
(C) के. डेविस/K. Davis
(D) मैकाइवर एवं पेज/MacIever and Page

55. (D) मैकाइवर एवं पेज के अनुसार सामुदायिक भाव के अन्तर्गत तीन तत्वों का होना अनिवार्य होता है–
1. हम का भाव
2. भूमिका पालन का भाव
3. निर्भरता का भाव
- **हम की भावना**–इस भावना के अन्तर्गत सदस्यों में (मैं) की भावना नहीं रहती है। लोग मानते हैं कि यह हमारा समुदाय है सोचने तथा कार्य करने में भी हम की भावना स्पष्ट दिखाई देखती है।
- **दायित्व की भावना/दायित्व की भावना**–सदस्य समुदाय के कार्यों को करना अपना दायित्व समझते हैं। वे अनुभव करते हैं कि समुदाय के लिए कार्यों को करना, उनमें हिस्सा लेना, दूसरे सदस्यों की सहायता करना आदि उनका कर्तव्य है।
- **निर्भरता का भाव**–समुदाय का प्रत्येक सदस्य दूसरे सदस्य के अस्तित्व को स्वीकार करता है। सदस्य का स्वयं का अस्तित्व समुदाय में पूर्णतः मिल जाता है।

56. सामाजिक स्तरीकरण का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया ?
Who has given the functional theory of social stratification ?
(A) कूले/Cooley
(B) के. डेविस/K. Davis
(C) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(D) मैक्स वेबर/Max Weber

56. (B) किंग्स्ले डेविक और विल्वर्ट मूर ने सामाजिक स्तरीकरण का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त प्रस्तुत किया। इनके अनुसार "समाज को चलाने के लिए कई प्रकार की योग्यता की आवश्यकता होती है, जैसे प्रशासनिक योग्यता, उद्यम सम्बन्धी योगता, सैनिक और अकदमिक दक्षता आदि। समाज में कुछ ऐसे भी कार्य क्षेत्र होते हैं, जहाँ विशेष दक्षता की जरूरत होती है। साधारण कार्य करने के लिए लोगों की कभी समाज में नहीं होती है, पर विशेषज्ञता पूर्ण कार्य तो कुछ विशेषज्ञ ही कर सकते हैं। इस प्रकार के कार्यों का बँटवारा सामाजिक व्यवस्था का एक अंग बन जाता है, जो स्तरीकरण का मार्ग प्रसशस्त करता है। किसी भी स्तरीकरण व्यवस्था का मुख्य कार्य योग्य और दुर्लभ लोगों को उनकी योग्यता के अनुरूप काम दिलवाना है। इन पदों में प्राप्त होने वाले पारिश्रमिक से लोग आकर्षित होते हैं। और इन पदों का प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। समाज इन कार्यों को सम्पन्न करने के लिए अपने पदधारियों को उचित पारिश्रमिक देता है। जैसे एक डॉक्टर का वेतन सफाई कर्मचारी की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। इनकी पुस्तक है–Some Principles of Stratification (1993)

57. निम्नलिखित में से कौन 'विज्ञानों के वर्गीकरण' के लिए विख्यात है ?
Who among the following known for 'classification of sciences' ?
(A) दुर्खीम/Durkheim
(B) वेबर/Weber
(C) स्पेंसर/Spencer
(D) आगस्त काम्टे/Auguste Comte

57. (D) काम्टे ने विज्ञानों के वर्गीकरण के लिए दो प्रमुख सिद्धान्तों का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार है–
1. **बढ़ती हुई निर्भरता का सिद्धान्त**–ज्ञान या विज्ञान की प्रत्येक शाखा अपने से पूर्व के विज्ञानों पर आश्रित होती है।
2. **घटती हुई सामान्यता और बढ़ती हुई जटिलता का सिद्धान्त**–जैसे-जैसे नवीन विज्ञान का जन्म होता है, वैसे-वैसे उसकी विषय सामग्री जटिल होती जाती है।

इन दोनों सिद्धान्तों के आधार पर काम्टे ने विज्ञानों का वर्गीकरण इस प्रकार प्रस्तुत किया–
1. गणितशास्त्र
2. जड़ पदार्थों से सम्बन्धित विज्ञान 'खगोलशास्त्र'
3. भौतिक शास्त्र
4. रसायन शास्त्र
5. जीव विज्ञान
6. समाजशास्त्र

58. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से मिलाइ। Match an item in List-I with an item in List-II.

सूची-I/List-I (संकल्पना/Concept)	सूची-II/List-II (समाजशास्त्री/Sociologist)
a. वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त/Theory of Class Struggle	1. कूले/Cooley
b. त्रि-स्तरीय सिद्धान्त/Law of Three Stage	2. कार्ल मार्क्स/Karl Marx
c. आत्म-दर्पण का सिद्धान्त/Looking-Glass Self Theory	3. काम्टे/Comte
d. संभ्रान्त वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त/Theory of Circulation of Elites	4. पेरेटो/Pareto

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	3	1	4
(B)	2	1	4	3
(C)	2	4	3	1
(D)	1	3	4	2

58. (A)
- मार्क्स ने अपने साम्यवादी घोषणा-पत्र में वर्ग संघर्ष की अवधारणा को प्रतिपादित किया। इनके अनुसार "आज तक के सम्पूर्ण समाज का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।" मार्क्स ने आर्थिक निर्यातवाद के सिद्धान्त में वर्ग संघर्ष की धारणा के अन्तर्गत बताया कि एक वर्ग वह है जिसके पास उत्पादन के साधनों का स्वामित्व है और दूसरा वह जो केवल शारीरिक श्रम करता है।
- आगस्त काम्टे ने सन् 1822 में त्रिस्तरीय सिद्धान्त को प्रतिपादित किया था जब उनकी आयु मात्र 24 वर्ष की थी।
  1. धार्मिक
  2. तात्विक
  3. प्रत्यक्षवादी
- अमेरिकी समाजशास्त्री कूले ने अपनी पुस्तक "Human nature and Social Order (1902)" में आत्मदर्पण का समाजीकरण सिद्धान्त प्रस्तुत किया। कूले के अनुसार "व्यक्ति के लिए समाज दर्पण का कार्य करता है।"

● इटली के समानशास्त्री पैरेटो ने अपनी पुस्तक माइंड एण्ड सोसायटी में सभ्रान्त वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त प्रस्तुत किया। पैरेटो के अनुसार "परिवर्तन केवल क्रान्ति द्वारा शासक को बदलने से ही नहीं आता, बल्कि अभिजनों के परिभ्रमण से भी आता है।" इनके अनुसार प्रत्येक समाज में दो समूह पाये जाते हैं–
1. अभिजन (elite)
2. जनसाधारण (Mass)

59. निम्नांकित में पाश्चात्यीयकरण की अवधारणा किसने दी ?
Who among the following has given the concept of Westernization ?
(A) योगेन्द्र सिंह/Yogendra Singh
(B) टी. के. ओमेन/T. K. Oommen
(C) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(D) मैकिम मैरियेट/Mckim Marriot

59. (C) प्रो. एम. एन. श्रीनिवास ने "ब्रिटिश राज्य के डेढ़ सौ वर्षों के शासन के परिणामस्वरूप भारतीय समाज और पश्चिमी संस्कृति से उत्पन्न होने वाले परिवर्तन के योग को पश्चिमीकरण की संज्ञा दी है। पश्चिमीकरण में औद्योगिक समस्थाओं, विचारधाराओं और मूल्यों के विभिन्न स्तरों पर होने वाले परिवर्तन सम्मिलित हैं। पश्चिमीकरण की प्रक्रिया के कारण भारत में पश्चिमी संस्कृति का प्रसार हुआ है। जिसके कारण भारतीय समाज की संस्कृति, ज्ञान, विश्वास, मूल्यों, संस्थाओं में परिवर्तन हुआ है।"

60. जब एक हिन्दू पुरुष अपने से उच्च वर्ण की स्त्री से विवाह करता है, तो उसे कहते हैं–
When a Hindu mate performs marriage with a woman of higher varna, then it is called
(A) प्रतिलोम/Pratiloma
(B) अनुलोम/Anuloma
(C) देवर विवाह/Levirate
(D) साली विवाह/Sororate

60. (A) ● जब उच्च वर्ण स्त्री निम्न वर्ण में लड़के से शादी करती है, तो वह प्रतिलोम विवाह माना जाता है।
● इसी प्रकार जब उच्च वर्ण का लड़का निम्न वर्ण की लड़की से विवाह करता है, तो वह अनुलोम विवाह माना जाता है।
● इस प्रकार प्रतिलोम का सामान्य अर्थ है किसी निम्न स्तर वर्ण के पुरुष और उच्चतर वर्ण की कन्या के बीच सम्बन्ध स्थापित होना।

61. "पीजेन्ट स्ट्रगल इन इंडिया" पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
Who is the author of the book "Peasant Struggle in India" ?
(A) डी. एन. मजूमदार/D. N. Majumdar
(B) डी. एन. धनाग्रे/D. N. Dhanagre
(C) दीपांकर गुप्ता/Dipankar Gupta
(D) ए. आर. देसाई/A. R. Desai

61. (D) अक्षय रमनलाल देसाई (26 अप्रैल, 1915–22 नवम्बर, 1994) एक भारतीय समाजशास्त्री, मार्क्सवादी और एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। 1980-1981 तक ये इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी के अध्यक्ष थे। देसाई जी ने एक मार्क्सवादी दृष्टिकोण से भारतीय समाज को समझने के लिए भारतीय सामाजिक संरचना और प्रक्रियाओं के उपचार में मार्क्सवादी तरीकों को लागू किया और राष्ट्रवाद, परीक्षा पर अपने समाजशास्त्रीय अध्ययन के लिए द्वंद्वात्मक ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया। देसाई का बुर्जआ वर्ग चरित्र और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के अंतर्निहित विरोधाभास का उनका अध्ययन उल्लेखनीय है।
प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार हैं–
1. पीजेन्ट स्ट्रगल इन इंडिया (1979)
2. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि (1948)
3. रुरल सोशियालॉजी इन इंडिया (1959)
4. इण्डियो स पाय ऑफ डेवलपमेंटः ए मार्क्सइट एपरोच (1984)

मजूमदार की प्रमुख पुस्तकें–
● हिस्ट्री एंड कल्चर ऑफ द इंडियन प्यूपिल (1951)
● Ancient India (1977)

62. सामाजिक स्तरीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन-सा सत्य है ?
Which of the following statements is correct with reference to social stratification ?
(A) यह एक सार्वभौमिक विशेषता है/It is a universal feature
(B) यह किसी खास समाज तक सीमित है/It is limited to a specific society
(C) यह एक स्थानीय विशेषता है/It is a local feature
(D) यह केवल भारत वर्ष तक सीमित है/It is limited to India only

62. (A) 1. सामाजिक स्तरीकरण एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है।
2. सामाजिक मूल्यांकन की महत्वता।
3. सामाजिक स्तरीकरण में कार्यों की प्रधानता होती है।
4. सामाजिक स्तरीकरण एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है।
5. सामज का विभाजन स्तरीकरण के आधार पर ही होता है, जिसमें स्थायित्व पाया जाता है।
6. सामाजिक स्तरीकरण में उच्चता एवं निम्नता का भाव पाया जाता है।

63. किसने कहा कि "'सोशियस' एक लैटिन शब्द और 'लोगॉज' एक यूनानी शब्द है। इस प्रकार हमारा विज्ञान (समाजशास्त्र) दो भाषाओं की दोगली संतान है"।
Who stated that "'Socius' is a Latin word and 'Logos' is a Greek word and the name of our science (Sociology) is thus an illegitimate offspring of two languages"?
(A) मैकाइवर एवं पेज/MacIver and Page
(B) पी. ए. सोरोकीन/P. A. Sorokin
(C) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt
(D) के. डेविस/K. Davis

63. (C) राबर्ट वीरस्टीड के अनुसार "समाजशास्त्र दो भाषाओं की दोगली सन्तान है।"

64. किसने कहा कि "'धर्म', 'प्रजा' (सन्तति) और 'रति' (आनन्द) हिन्दू-विवाह के उद्देश्य माने जाते हैं" ?
Who said "The aims of Hindu Marriage are said to be 'Dharma', 'Praja' (Progeny) and 'Rati' (Pleasure)"?
(A) ए. एस. अल्टेकर/A. S. Altekar
(B) पी. एच. प्रभु/P. H. Prabhu
(C) के. एम. कपाड़ियाK. M. Kapadia
(D) एम. एन. रीनिवास/M. N. Srinivas

64. (B) प्रभु के अनुसार हिन्दू विवाह के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं–1. धर्म, 2. प्रजा, 3. रति
धर्म के अनुसार पुरुष को जीवन में कुछ धार्मिक कर्तव्यों को निभाने के लिए पत्नी की आवश्यकता होती है। विवाह ही एकमात्र ऐसा माध्यम है, जिसकी सहायता से व्यक्ति देवों, ऋषियों, माता-पिता, अतिथियों तथा जीवमात्र के प्रति अपने दायित्वों को पूरा कर सकता है।
प्रजा/पुत्र प्राप्ति–विवाह का दूसरा उद्देश्य सन्तानोत्पत्ति माना गया है और पुत्र प्राप्ति को विशेष महत्व दिया गया।
रति–विवाह का अन्तिम उद्देश्य काम-वासना को पूरा करना है, जिसे शास्त्रकारों ने अन्य से कम महत्वपूर्ण माना है। रति का तात्पर्य समाज द्वारा स्वीकृत तरीके से अपनी यौन इच्छाओं की पूर्ति करना है।
के. एम. कपाड़िया ने अपनी पुस्तक 'मैरिज

एण्ड फैमिली इन इंडिया' (1955) में हिन्दू विवाह को संस्कार माना है। इनके अनुसार भी हिन्दू विवाह के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं– 1. धर्म, 2. प्रजा, 3. रति

65. निम्नलिखित में से कौन समिति की विशेषता नहीं है ?
Which one of the following is not a feature of association ?
(A) व्यक्तियों की सामूहिकता/Collectivity of people
(B) कतिपय उद्देश्य का होना/Having certain objectives
(C) ऐच्छिक सदस्यता/Voluntary membership
(D) सामुदायिक भावनाओं का अनुसरण करना/Pursuing community sentiments

65. (D) ● सामुदायिक भावनाओं का अनुसरण 'समिति की विशेषता' नहीं है। यह समुदाय की विशेषता है।
● समिति व्यक्तियों के द्वारा अपने समान उद्देश्य की पूर्ति करने के लिए विचारपूर्वक निर्मित एक ऐसा संगठन का नाम है जिसकी सदस्यता ऐच्छिक होती है। इसमें व्यक्ति संगठित होकर सामान्य हितों को ध्यान में रखकर विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करता है। उद्देश्यों की पूर्ति के बाद समिति भंग भी हो सकती है।
❖ बोगडिस के अनुसार "समिति सामान्य उद्देश्यों के लिए संगठित समूह है।"
❖ मैकाइवर और पेज के अनुसार "समिति सामान्य उद्देश्यों के लिए संगठित समूह है।"
❖ समिति की विशेषतायें–
1. समिति व्यक्तियों का समूह है।
2. निश्चित उद्देश्य
3. समिति सहयोग पर आधारित है।
4. समिति में संगठन पाया जाता है।
5. विचारपूर्वक स्थापना
6. मूर्त संगठन
7. नियमों पर आधारित
8. अस्थायी प्रकृति
9. समिति साधन है साध्य नहीं।

66. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट के अनुसार अपने उत्तर का चयन कीजिए:
Match List-I with List-II and select your answer using the code given below.

सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
a. फर्स्ट प्रिंसिपल्स/First Principles	1. मैक्स वेबर/Max Weber
b. द होली फेमिली/The Holy Family	2. कार्ल मार्क्स/Karl Marx
c. डिवीजन आफ लेबर इन सोसाइटी/Division of Labour in Society	3. स्पेन्सर/Spencer
d. द थियरी आफ सोशल एण्ड इकॉनोमिक आर्गनाइजेशन/The Theory of Social and Economic Organisation	4. दुर्खीम/Durkheim

कूट/Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	1	2	4
(B)	3	2	4	1
(C)	3	4	2	1
(D)	1	2	3	4

66. (A) ● फर्स्ट प्रिंसिपल्स (1860) पुस्तक हरबर्ट स्पेन्सर की है।
● द होली फेमिली (1845) पुस्तक कार्ल मार्क्स की है।
● डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसायटी (1893) पुस्तक दुर्खीम की है।
● दा थियोरी ऑफ सोशल एण्ड इकॉनोमिक आर्गनाइजेशन की (1920) पुस्तक मैक्स वेबर की है।

67. मरडॉक के अनुसार कितने सम्बन्धी तृतीयक नातेदारी की श्रेणी में आते हैं ?
According to Murdock how many relatives come in tertiary kins ?
(A) 150 (B) 152
(C) 151 (D) 155

67. (C) 151 सम्बन्धी तृतीयक नातेदारी की श्रेणी में आते है। (मरडॉक के अनुसार)

68. किसने कहा "समाजीकरण सीखना है जो सीखने वाले को सामाजिक भूमिकाएँ निर्वाह करना सिखाता है" ?
Who said "Socialization is learning that enables the learner to perform social roles" ?
(A) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt
(B) रूथ बेन्डिक्ट/Ruth Bendict
(C) एच. एम. जॉन्सन/H. M. Johnson
(D) राल्फ लिंटन/Ralph Linton

68. (C) उपर्युक्त परिभाषा एच. एम. जॉन्सन द्वारा दी गई हैं–
● प्रस्थिति एवं भूमिका का सर्वप्रथम विवेचन राल्फ लिण्टन ने अपनी पुस्तक 'दी स्टडी ऑफ मैन (1936) में किया'। इनके अनुसार "समाज का कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है, जिसे कोई प्रस्थिति न प्राप्त हो।
● व्यक्ति जब अपनी क्रियाओं का संपादन समाज या समूह के प्रतिमानों के अनुरूप करता है तो इन क्रियाओं को सामाजिक स्वीकृति प्राप्त हो जाती है तो व्यक्ति की क्रियाएँ भूमिका में बदल जाती है।
● किसी परिस्थिति से जुड़ी सभी भूमिकाओं को मर्टन ने भूमिका पुंज का नाम दिया।
● Patterns of Culture पुस्तक (1934) रुथ बेनेडिक्ट की है।

69. समाजीकरण के संदर्भ 'मैं' और 'मुझे' की अवधारणा किसके द्वारा प्रयुक्त की गई ?
The concept of 'I' and 'Me' with reference to socialization was used by
(A) फ्रायड/Freud (B) कूले/Cooley
(C) जॉन्सन/Johnson (D) मीड/Mead

69. (D) ● मीड ने 'आत्म चेतना' के आधार पर समाजीकरण सिद्धान्त की व्याख्या की है। इसे मैं और मुझे का भी सिद्धान्त कहा जाता है। मीड ने अपने सिद्धान्त में व्यक्ति तथा समाज में से समाज को ज्यादा महत्वपूर्ण माना है। आत्मचेतना का निर्माण सामाजिक अन्तःक्रिया के परिणामस्वरूप होता है।
मै का अर्थ व्यक्ति द्वारा दूसरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहारों से है तथा मुझे का अर्थ व्यक्ति द्वारा किए गए व्यवहारों पर अन्य व्यक्तियों की प्रतिक्रिया से है जिसे व्यक्ति ग्रहण कर 'आत्मचेतना' का विकास करता है। इस सिद्धान्त को मीड ने अपनी पुस्तक 'Mind, Self and Society' में प्रस्तुत किया।
● फ्रायड ने सामाजीकरण का मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त प्रस्तुत दिया। आत्म से फ्रायड का तात्पर्य मूल प्रेरणाओं से है। यह बालक की मूल प्रवृत्ति से प्रेरित स्थिति होती है। फ्रायड ने अपने समाजीकरण के सिद्धान्त में 1. इड 2. इगो 3. सुपर इगो की अवधारणाओं का प्रयोग किया।
परिवार व अन्य से सम्पर्क के माध्यम से व्यक्ति में अहं (ego) की भावना का विकास होता है। पराअर्ह (Super-ego) इसके आगे की अवस्था है, जिसमें बालक संस्कृति के अनुसार व्यवहार करना शुरू कर देता है।

70. 'संघर्षशील समाज' एवं 'औद्योगिक समाज' शब्दों का प्रचलन किसने किया ?
Who coined the term 'Militant' and 'Industrial Society' ?
(A) दुर्खीम/Durkheim
(B) काम्टे/Comte
(C) हर्बर्ट स्पेन्सर/Herbert Spencer
(D) कार्ल मार्क्स/Karl Marx

70. (C) स्पेन्सर ने सैनिक समाज और औद्योगिक समाज के दो की कल्पना की है।

सैनिक समाज–

- सैनिक समाज में क्रियात्मक शक्तियों को सैनिकों के लिए सुख-सुविधाओं को जुटाने के उद्देश्य से नियोजित किया जाता है और समाज में सैनिक क्रियाकलापों का बोलबाला होता है।
- दूसरी ओर औद्योगिक समाज में सैनिक शक्ति का प्रयोग केवल आन्तरिक शक्ति व सुव्यवस्था को बनाए रखने तथा बाहरी आक्रमणों से रक्षा करने के लिए किया जाता है।
- सैनिक समाज में सेनाध्यक्ष राज्य का शासक होता है। इसलिए अनुशासन की व्यवस्था लागू की जाती है।

औद्योगिक समाज–

- सैनिक क्रियाओं के विकास के कारण विभिन्न समुदायों में विभक्त व्यक्तियों का एकीकरण हुआ। छोटे-छोटे खानाबदोशी झुंडों ने एक साथ मिलकर बड़े समूहों का निर्माण किया। इसके कारण समाज में धनी शासकों, सामान्य स्वाधीन लोगों, भूमिदासों और दासों के वर्गों का निर्माण हुआ। जिसके फलस्वरूप समाज के औद्योगिक विकास की क्रियाओं में वृद्धि होने लगी। अधिकाधिक उद्योगों का विकास प्रारम्भ हो गया।
- औद्योगिक समाज में व्यवस्था तथा न्याय के अन्तर्गत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सिद्धान्त को पूर्णतया मान्यता प्रदान की जाती है। जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा सरकार का संगठन होता है, धार्मिक स्वतंत्रता होती है। व्यापार और उद्योगों के क्षेत्र में प्रतियोगिता व्याप्त होती है।
- कार्ल मार्क्स ने आर्थिक दशाओं के आधार पर इतिहास को 5 युगों में विभाजित किया–
  1. आदिम साम्यवाद
  2. दास युग
  3. सामन्तवादी युग
  4. पूँजीवादी युग
  5. समाजवादी युग
- दुर्खीम ने दो प्रकार की एकता के सन्दर्भ में बताया–
  1. **यान्त्रिक एकता**–सरल समाजों में पाई जाती है।
  2. **सावयवी एकता**–औद्योगीकृत और जटिल समाजों में पाई जाती है।

71. सामाजिक समूह की मौलिक विशेषता है–
Basic characteristic of a social group is:
(A) शारीरिक सामीप्य/Physical proximity
(B) स्तरीकरण/Stratification
(C) समुदाय/Community
(D) संस्था/Institution

71. (A) शारीरिक सामीप्य सामाजिक समूह को भौतिक विशेषता है। इसके अतिरिक्त अन्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं–
1. सामान्यहित
2. सदस्यों की पारस्परिक जागरूकता
3. मनुष्यों का संग्रह
4. सामाजिक सम्बन्ध
5. एकता की भावना
6. सदस्यों का पारस्परिक आदान-प्रदान
7. समूह की सदस्यता ऐच्छिक होती है।
8. एक निश्चित आधार

मैकाइवर और पेज के अनुसार, "समूह से हमारा तात्पर्य मनुष्य के किसी भी ऐसे संग्रह से है जो सामाजिक सम्बन्धों द्वारा एक दूसरे से बंधे हो।"

72. क्रय द्वारा किया गया हिन्दू विवाह कहलाता है–
Hindu marriage by purchased is called:
(A) पैशाच विवाह/Pishach marriage
(B) दैव विवाह/Daiva marriage
(C) असुर विवाह/Asur marriage
(D) राक्षस विवाह/Rakshas marriage

72. (C)
- **असुर विवाह**–कन्या को खरीदकर विवाह कर लेना 'असुर विवाह' कहलाता है।
- **पैशाच विवाह**–कन्या की गहन निद्रा, मानसिक दुर्बलता आदि का लाभ उठाकर उससे शारीरिक सम्बन्ध बना लेना और उससे विवाह करना पैशाच विवाह कहलाता है।
- **राक्षस विवाह**–कन्या की सहमति के बिना उसका अपहरण करके जबरदस्ती विवाह कर लेना राक्षस विवाह कहलाता है।
- **दैव विवाह**–किसी सेवा धार्मिक कार्य हेतु मूल्य के रूप में अपनी कन्या को किसी विशेष वर का दे देना दैव विवाह कहलाता है। इसमें कन्या की इच्छा को भी ध्यान में रखा जाता है।

73. 'भूदान और ग्रामदान आन्दोलन' किसने चलाये?
Who carried out 'Bhoodan and Gramdan movements' ?
(A) आचार्य विनोबा भावे/Acharya Vinoba Bhave
(B) जय प्रकाश नारायण/Jai Prakash Naryan
(C) महात्मा गांधी/Mahatma Gandhi
(D) आचार्य नरेन्द्र देव/Acharya Narendra Deo

73. (A) भूदान आन्दोलन 18 अप्रैल सन् 1951 में आचार्य विनोबा भावे द्वारा चलाया गया स्वैच्छिक भूमि सुधार आन्दोलन था। विनोबा की कोशिश थी कि भूमि का पुनर्वितरण सिर्फ सरकारी कानूनों के जरिए नहीं हो, बल्कि एक आन्दोलन के माध्यम से इसकी सफल कोशिश की जाए। इस आन्दोलन उद्देश्य अहिंसात्मक तरीके से देश में सामाजिक परिवर्तन लाना था। सन् 1951 में विनोबा जी को तेलंगाना क्षेत्र में स्थित पोचमपल्ली गांव में जमीन दान में मिली थी। विनोबा भावे जी गांव-गांव जाकर बड़े-बड़े भूस्वामियों से अपनी जमीन का कम से कम छठा हिस्सा भूदान के रूप में भूमिहीन किसानों के बीच बाटने के लिए देने का अनुरोध करते थे। 1953 में जयप्रकाश नारायण भी भूदान आन्दोलन में शामिल हो गए थे। 1955 तक आते-आते आन्दोलन ग्रामदान आन्दोलन के रूप में पहचाना गया।

74. 'यांत्रिक एवं सावयवी एकता' के आधार पर सरल और औद्योगिक समाज में अन्तर किसने किया ?
Who has distinguished between simple society and industrial society on the basis of 'mechanical and organic solidarity' ?
(A) टी. पारसन्स/T. Parsons
(B) मैलिनोवस्की/Malinowski
(C) एच. स्पेंसर/H. Spencer
(D) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim

74. (D)
- दुर्खीम के अनुसार "एक समाज जितना अधिक आदिम होता है, उतना ही उसमें यांत्रिक एकजुटता और समता की विशेषता होती है। सरल समाजों में व्यक्तियों के मध्य अनेक समरूपताएँ तथा घनिष्ठ सम्बन्ध होते हैं जो व्यक्ति को उसके समाज से बाधे रहते हैं। सामूहिक चेतना अत्यंत मजबूत होती है। यान्त्रिक एकात्मकता आधारित समाज में एकरूपता का गुण होता है। श्रम का विभाजन सरल स्तर का होता है।
- दुर्खीम के अनुसार "सावयवी एकता पर आधारित समाज औद्योगीकरण के विकास से प्रभावित और परिवर्तित होते हैं। सावयवी एकता पर आधारित समाज

वे समाज होते हैं जिनमें विषमता, भिन्नता तथा विविधता होती है। विषमरूपी समाज में बढ़ती हुई ये जटिलता विभिन्न तरह के व्यक्तित्व में सम्बन्धों तथा समस्याओं में प्रतिबिम्बित होती है।

सावयवी एकता पर आधारित समाजों में व्यक्तिगत स्वतन्त्रता तथा स्वायत्तता को महत्व दिया जाता है। इन समाजों में श्रम का विभाजन योग्यता और विशेषीकरण के आधार पर होता है।

75. किसने 'लघु' तथा 'बृहत् परम्परा' शब्द को व्यक्त किया ?
Who has coined the term 'little' and 'great tradition' ?
(A) मैकिम मैरियट/Mckim Marriott
(B) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(C) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(D) राबर्ट रेडफील्ड/Robert Redfield

75. (D) वृहत् और लघु परम्परा की संज्ञा राबर्ट रेडफील्ड द्वारा दी गई।
- महान और लघु जैसे शब्द बीसवीं शताब्दी के समाजशास्त्री राबर्ट रेडफील्ड द्वारा एक कृषक समाज के सांस्कृतिक आचरणों का वर्णन करने के लिए मुद्रित किए गए। इस समाजशास्त्री ने देखा कि किन उन कर्मकांडों और पद्धतियों का अनुकरण करते थे जिनका समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग जैसे पुरोहित और राजा द्वारा पालन किया जाता था। इन कर्मकांडों को रेडफील्ड ने वृहद या महान परम्परा की संज्ञा दी। साथ ही साथ कृषक समुदाय अन्य लोकाचारों का भी पालन करते थे जो इस महान परिपाटी से सर्वथा भिन्न थे। उसने इन्हें लघु परम्परा के नाम दिया। दोनों ही परम्पराओं में समय के साथ पारस्परिक आदान-प्रदान के कारण परिवर्तन हुए।
- इसके अतिरिक्त राबर्ट रेडफील्ड ने लघु समुदाय की चार विशेषतायें बताई—
  1. लघुता
  2. विशिष्टता
  3. समरूपता
  4. विशिष्टता
- राबर्ट रेडफील्ड की 'द लिटिल कम्युनिटी' 1955 में प्रकाशित हुई।

76. किसने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को इन पाँच श्रेणियों में विभाजित किया है ?
Who classified sociological theories into these five categories ?
(i) प्रत्यक्षवादी सावयववाद/Positivistic organism
(ii) संघर्ष सिद्धान्त/Conflict theory
(iii) स्वरूपात्मक सिद्धान्त/Formal theory
(iv) सामाजिक व्यवहारवाद/Social behaviourism
(v) समाजशास्त्रीय प्रकार्यवाद/Sociological functionalism
(A) आर. के. मर्टन/R. K. Merton
(B) पी. एस. कोहन/P. S. Cohen
(C) डॉन मार्टिनडेल/Don Martindale
(D) एच. आर. वैगनर/H. R. Wagner

76. (C)
- डॉन मार्टिनडेल ने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को पांच श्रेणियों में विभाजित किया है—
  1. प्रत्यक्षवादी सावयववाद
  2. संघर्ष सिद्धान्त
  3. स्वरूपात्मक सिद्धान्त
  4. सामाजिक व्यवहारवाद
  5. समाजशास्त्रीय प्रकार्यवाद
- डॉन मार्टिनडेल ने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को अपनी पुस्तक 'The Nature and Types of Sociological Theory' में बाद के आधार पर विभाजित किया।
- मर्टन ने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को दो भागों में विभाजित किया है—
  1. समाजशास्त्रीय सिद्धान्त की सम्पूर्ण व्यवस्थाएँ
  2. मध्य अधिसीमा के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

77. अपनी किस पुस्तक में चार्ल्स कूले ने सामाजिक नियंत्रण के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया है ?
In which book Charles Cooley presented the theory of social control ?
(A) ह्यूमन नेचर एण्ड द सोशल आर्डर/Human Nature and the Social Order
(B) फोकवेज/Folkways
(C) सोशल कन्ट्रोल/Social Control
(D) सोशियालॉजी/Sociology

77. (A)
- चार्ल्स कूले ने अपने सामाजिक नियन्त्रण के सिद्धान्त को अपनी पुस्तक (ह्यूमन नेचर एण्ड द सोशल आर्डर, 1902) में प्रतिपादित किया।
- कूले ने सामाजिक घटनाओं के आधार पर सामाजिक नियन्त्रण के दो प्रकार स्पष्ट किये हैं—
  1. चेतन नियन्त्रण—मनुष्य अपने जीवन में अपने समूह के लिए कई कार्य तथा व्यवहार जागरूक अवस्था में सोच समझकर करता है। यह चेतन अवस्था कहलाती है। जागरूक अवस्था में किया गया कोई भी कार्य चेतन नियन्त्रण कहलाता है।
  2. अचेतन नियन्त्रण—प्रत्येक समाज या समूह की अपनी संस्कृति प्रथाओं, लोकाचार, रीति-रिवाजों तथा सरकारों से निरन्तर प्रभावित होकर उनके अनुरूप ही समाज समूह के प्रति व्यवहार करता है। इन प्रथाओं, रीति-रिवाजों या धार्मिक संस्कारों के प्रति व्यक्ति अचेतन रूप से जुड़ा रहता है और जीवन भर उसकी अवहेलना नहीं कर पाता है। ये सभी समाज व समूह को नियन्त्रित करने में अपनी भूमिका निभाते हैं। अचेतन नियन्त्रण कहलाता है।

78. निम्नलिखित में किसे द्विज कहा जाता है ?
Which of the following is known as dwij?
(A) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य/Brahman, Kshatriya, Vaishya
(B) क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र/Kshatriya, Vaishya, Shudra
(C) ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र/Brahman, Vaishya, Shudra
(D) शूद्र, क्षत्रिय, ब्राह्मण/Shudra, Kshatriya, Brahman

78. (A) ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य वर्ण को द्विज कहा जाता है।

79. आस्ट्रेलिया की आदिम जातियों के आनुभविक अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित में से किसने विनिमय सिद्धान्त को विकसित किया ?
On the basis of empirical study of Australian tribes who developed the exchange theory ?
(A) सर जेम्स फ्रेजर/Sir James Frazer
(B) बी. मैलिनोवस्की/B. Malinowski
(C) पीटर एम. ब्लाऊ/Peter M. Blau
(D) मार्शल माँस/Marcel Mauss

79. (B) आस्ट्रेलिया की आदि जातियों के अनुभाषिक अध्ययन के आधार मैलिनोवस्की ने अपनी विनिमय सिद्धान्त को विकसित किया।
- मैलिनोवस्की विनिमय का बुनियादी आधार सांस्कृतिक मानते हैं। इनके अनुसार विनिमय सामाजिक सुदृढ़ता को कायम करता है। जब आदिम समाजों के सदस्यों में सांस्कृतिक या सामाजिक विनिमय होता है, तो उसके पीछे कहीं भी आर्थिक अभिप्रेरण नहीं होता है बल्कि मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरण होता है। इन्होंने ट्रोब्रिएण्ड टापू में रहने वाले आदिवासियों में क्षेत्रीय अध्ययन किया। वहाँ के आदिवासियों में उन्होंने विनिमय सम्बन्धों को पाया। आदिवासी समूह पारस्परिक आदान-प्रदान मानि विनिमय द्वारा अपने बीच बराबर सामाजिक

सम्बद्ध बनाये रखते हैं। उनमें भेंट प्रथा बहुत महत्वपूर्ण है। मैलिनोवस्की ने पाया कि इन विभिन्न आदिम जातीय समूहों में भेंट देने की परम्परा को कुला व्यवस्था कहते हैं। निश्चित अवधि में एक टापू के आदमी दूसरे टापू में जाते हैं। इस टापू के निवासियों से वे मिलते हैं उनसे वे घोंघे के हार लेते हैं और बदले में अपनी ओर से बाजूबन्द देते हैं। इन जेवरों की कोई भौतिक उपयोगिता नहीं होती है। बल्कि इस प्रकार व्यवहार दोनों टापू में रहने वाले व्यक्तियों के मध्य सामाजिक सम्बन्धों को मजबूत बनता है।

80. निम्नलिखित में से किसमें वर्ण-व्यवस्था का प्रथम उल्लेख मिलता है ?
In which of the following the first mention of Varn-Vyavastha is found ?
(A) ऋग्वेद/Rigved
(B) अथर्ववेद/Atharvaved
(C) यजुर्वेद/Yajurved
(D) सामवेद/Samved

80. (A) वर्ण व्यवस्था का प्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।

81. "हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मेरिज" पुस्तक के लेखक कौन है ?
Who is the author of the book "History of Human Marriage" ?
(A) के. एस. सिंह/K. S. Singh
(B) आई. कर्वे/I. Karve
(C) वेस्टरमार्क/Westermarck
(D) ए. एम. शाह/A. M. Shah

81. (C) हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मैरिज (1891) पुस्तक के लेखक एडवर्ड वेस्टरमार्क हैं। इनके अनुसार "परिवार जैसी संस्था को बनाए रखने के लिए ही विवाह जैसी संस्था का जन्म हुआ है। विवाह ऐसी संस्था हैं जिसमें समिति का पक्ष अनुपस्थित रहता है।

82. समाजशास्त्र के 'स्वरूपात्मक सम्प्रदाय' का संस्थापक कौन है ?
Who is the founder of 'formal school' of sociology ?
(A) मैक्स वेबर/Max Weber
(B) जी. सिमेल/G. Simmel
(C) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(D) कोजर/Coser

82. (B) • समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय के संस्थापक जी सिमैल है।
• समाजशास्त्र को एक विशिष्ट विज्ञान बनाने के लिए यह आवश्यक है कि इसके अन्तर्गत सभी प्रकार के सामाजिक सम्बन्धों का अध्ययन नहीं करके इन सम्बन्धों के विशिष्ट स्वरूपों का अध्ययन किया जाए। सामाजिक सम्बन्धों के स्वरूपात्मक पक्ष पर जोर देने के कारण ही इस सम्प्रदाय को स्वरूपात्मक सम्प्रदाय कहा जाता है।
• जार्ज सिमेल समाजशास्त्र को एक विशेष विज्ञान बनाना चाहते थे। इन्होंने समाजशास्त्र को सामाजिक सम्बन्धों के स्वरूपों का अध्ययन माना है। जैसे अनुकरण, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, प्रभुत्व, अधीनता, श्रमविभाजन आदि सामाजिक सम्बन्धों के प्रमुख स्वरूप है। सामाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के इन्हीं स्वरूपों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। इसके अतिरिक्त वीरकान्त, वानविज, मैक्स वेबर, टानीज, बोगल पार्क, बर्गेस, रास आदि स्वरूपात्मक सम्प्रदाय के समर्थक हैं।
• दूसरा सम्प्रदाय समन्वयात्मक सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय के प्रमुख समर्थक सोरोकिन, दुर्खीम, हाबहाउस, गिन्सबर्ग आदि हैं।

83. जब एक अपराधी को जेल न भेजकर अच्छे आचरण के आश्वासन पर परिवार के साथ रहने के लिए छोड़ दिया जाता है, तब इस प्रणाली को कहते हैं–
When an offender is released to live in family on the bond of good conduct instead of being sent to jail, then this system is known as
(A) पैरोल/Parole
(B) परिवीक्षा/Probation
(C) उत्तर-रक्षा सेवा/After care service
(D) अपराधी सुधार/Criminal reform

83. (B) **परिवीक्षा**–परिवीक्षा एक अपराधी की सजा का निलम्बन है और एक अधिकारी भी देखरेख में, अच्छे व्यवहार को शामिल करते हुए उन्हें समुदाय में रहने की अनुमति देता है।
पैरोल–पैरोल का अर्थ राज्य की समाप्ति से पहले रिहाई की सजा है, समुदाय में बाकी के प्रदर्शन की सेवा के लिए, जबकि अच्छा व्यवहार और विशिष्ट परिस्थितिओं के अधीन सुनिश्चित करना। अर्थात् अपराध के बाद उसकी जेल की सजा का एक निश्चित हिस्सा पूरा होने के बाद अपराधी को जेल से सशर्तत् रिहाई मिल जाती है।

84. 'मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशन' के लेखक कौन है ?
Who is the author of 'Modernization of Indian Tradition' ?
(A) योगेन्द्र सिंह/Yogendra Singh
(B) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas
(C) ए. आर. देसाई/A. R. Desai
(D) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye

84. (A) मॉडर्नाइजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडीशन : ए सिस्टेमेटिक स्टडी ऑफ सोशल चेन्ज (1973) पुस्तक के लेखक योगेन्द्र सिंह हैं।
• आधुनिकीकरण की आवश्यकताओं के प्रति हिन्दू धर्म एवं इस्लाम की वृहत् परम्पराएँ किस प्रकार प्रत्युत्तर दे रही है?
• अभिजन, व्यवसायिक समूह, कामगार वर्ग आदि जैसे सामाजिक संवर्ग किस प्रकार आधुनिकीकरण की ओर अनुकूलनात्मक परिवर्तनों से गुजर रहे हैं ?
• जाति, परिवार एवं ग्राम व्यवस्थाएँ किस प्रकार आधुनिकीकरण के भावी मुद्दे क्या हो सकते हैं ?
• सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्तों तथा अवधारणाओं की आलोचनात्मक समीक्षा इन सभी विषयों पर आधारित ये योगेन्द्र सिंह की यह पुस्तक।

85. निम्नलिखित में निर्धनता का कौन एक कारण है?
Which of the following is the cause of poverty ?
(A) अशिक्षा/Illiteracy
(B) जनसंख्या वृद्धि/Population growth
(C) बेरोजगारी/Unemployment
(D) उपर्युक्त सभी/All of the above

85. (D) अशिक्षा, जनसंख्या वृद्धि, बेरोजगारी उपर्युक्त सभी कारण निर्धनता के प्रमुख कारण हैं।

86. किसने कहा है कि "युद्ध सामाजिक विघटन का उग्रतम स्वरूप है" ?
Who stated that "War is social disorganization in its most violent form" ?
(A) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim
(B) इलियट एवं मैरिल/Elliott and Merrill
(C) राबर्ट इ. एल. फैरिस/Robert E. L. Faris
(D) मार्टिन न्यूमेयर/Martin Neumeyer

86. (D) मार्टिन न्यूमेयर के अनुसार "युद्ध सामाजिक विघटन का अग्रतम स्वरूप है।"
• फैरिस ने सामाजिक विघटन के आठ लक्षणों का उल्लेख किया है–
1. नियन्त्रण के साधनों के प्रभाव में कमी
2. पवित्र तत्वों का हाल
3. स्वार्थों की बढ़ोत्तरी
4. व्यैक्तिक स्वतन्त्रता और अधिकार पर बल
5. सुख सम्बन्धी व्यवहारों पर बल
6. अविश्वास

7. अशान्तिपूर्ण घटनाओं में वृद्धि
8. लोकाचारों तथा संस्थाओं के बीच संघर्ष

● इलियट एवं मैरिल के अनुसार "जब सामाजिक अंत:क्रियाओं की व्यवस्थित पद्धति और किसी समूह की स्वीकृति कार्यप्रणाली टूट जाती है तो सामाजिक विघटन होने लगता है।

87. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से किस समाजशास्त्री ने संरचनाकरण की अवधारणा दी?
Who among the following sociologists has given the concept of structuration ?
(A) ए. गिडिन्स/A. Giddens
(B) लेवी स्ट्रास/Levi Strauss
(C) टी. पारसन्स/T. Parsons
(D) सासुरे/Saussure

87. (A) ● गिडिन्स ने अपनी प्रमुख पुस्तक The Constitution of Society 1984 में अपने संरचनाकरण सिद्धान्त को प्रस्तुत किया।
● गिडिन्स कहते हैं कि पूर्व के समाजाास्त्रीय सिद्धान्तों में प्रत्यक्षवाद से लेकर लघु समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों में एकपक्षीय अध्ययन की प्रवृत्ति देखने को मिलती है। अपने चिन्तन में गिडिन्स ने मध्य मार्ग का अनुसरण किया है तथा समाजशास्त्र में प्रचलित वृहदस्तरीय विश्लेषण या सूक्ष्मस्तरीय विश्लेषण में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया है।
● गिडिन्स के संरचनाकरण सार क्रिया और एजेन्सी है। संरचना नियमों एवं संसाधनों की रचना है जिसका प्रयोग कर्ता सामाजिक अन्तक्रिया के दौरान करता है।

88. समाजशास्त्र के संस्थापक पिता कौन हैं ?
Who is the founding father of Sociology?
(A) दुर्खीम/Durkheim
(B) मार्क्स/Marx
(C) काम्टे/Comte
(D) वेबर/Weber

88. (C) ● आगस्ट काम्टे ने ही सर्वप्रथम सामाजिक विज्ञान की आवश्यकता का अनुभव किया और उस विज्ञान का नामकरण पहले सामाजिक भौतिक शास्त्र और बाद में सन् 1838 में समाजशास्त्र रखा। इसलिए काम्टे को समाजशास्त्र का पिता अथवा जनक कहा जाता है।
● काम्टे ने समाजशास्त्र को आधारभूत स्वरूप प्रदान किया।
● काम्टे के अनुसार "समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था और प्रगति का विज्ञान है।"

89. निम्नलिखित में से किसने पूँजीवाद के विकास को 'प्रोटेस्टेन्ट धर्म' की शिक्षाओं से जोड़ा है ?
Who among the following has correlated the rise of capitalism with the teachings of 'Protestant Religion' ?
(A) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(B) हर्बर्ट स्पेन्सर/Herbert Spencer
(C) मैक्स वेबर/Max Weber
(D) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim

89. (C) मैक्सवेबर के अनुसार "प्रोटेस्टेंट नैतिकता" ने पश्चिमी दुनिया में पूँजीवाद के विकास में काफी योगदान दिया है।"
● द प्रोटेस्टेंट एथिक एंड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म पुस्तक में इन्होंने इस अवधारणा का प्रतिपादान किया।

90. किस संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण प्रदान किया गया ?
By which constitutional amendment women were given one third reservation in Panchayati Raj Institution ?
(A) 70वाँ संशोधन/70th Amendment
(B) 71वाँ संशोधन/71st Amendment
(C) 72वाँ संशोधन/72th Amendment
(D) 73वाँ संशोधन/73rd Amendment

90. (D) ● वर्ष 1993 में संविधान के 73वें संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक मान्यता मिली। 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 1992 में पी. वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में प्रभावी हुआ।
● 73वाँ संविधान संशोधन के अन्तर्गत पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की बात कही गई थी।

91. 'सिम्बालिक इंटरएक्शनिज्म' की अवधारणा की रचना किसने की ?
Who produced the concept of 'Symbolic Interactionism' ?
(A) एल. ए. कोजर/L. A. Coser
(B) जॉन डेवी/John Dewey
(C) जी. एच. मीड/G. H. Mead
(D) हर्बर्ट ब्लूमर/Herbert Blumer

91. (C) प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद की अवधारणा को विकसित करने का श्रेय हरबर्ट मीड को दिया जाता है। मीड पहले व्यक्ति थे जिन्होंने प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद एवं इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की व्याख्या प्रस्तुत की। मीड के अनुसार, "प्रतीकात्मक अन्तर्क्रिया का तात्पर्य व्यक्तियों के बीच होने वाली एक विशेष अन्तर्क्रिया से है। यह विशेषता इस तथ्य से सम्बन्धित है कि व्यक्ति एक-दूसरे की क्रिया पर प्रतिक्रिया करने की अपेक्षा प्रत्येक क्रिया का एक विशेष अर्थ लगाकर उसकी व्याख्या भी करते हैं। इस प्रकार मानवीय अन्तर्कियाओं का सम्बन्ध अनेक प्रतीकों के उपयोग, उनकी विवेचना तथा उनके बारे में लगाये जाने वाले अर्थ से होता है।
● हरबर्ट ब्लूमर ने मीड के विचारों को आगे बढ़ाया। ब्लूमर के अनुसार, "वस्तुओं एवं प्रीतकों में निहित अनर्थ ही हमारी भूमिकाओं का निर्माण करते हैं।"
● ब्लूमर का प्रतीकात्मक अंतर्क्रियावाद तीन दृष्टिकोण पर आधारित है–
1. मनुष्य के अर्थ के आधार पर वस्तुओं की ओर क्रिया करता है।
2. वस्तुओं का अर्थ दूसरों के साथ सामाजिक अन्तर्क्रिया करने से ही निकलकर सामने आता है।
3. अर्थ को वार्तालाप के दौरान निर्वचन द्वारा संशोधित किया जा सकता है।

92. "जब वर्ग पूर्णतया आनुवंशिकता पर आधारित होता है, तो हम उसे जाति कहते हैं"। यह परिभाषा किसने दी है ?
"When a class is somewhat strictly hereditary, we may call it a caste". Who gave this definition?
(A) केतकर/Ketkar
(B) ग्रीन/Green
(C) लुण्डबर्ग/Lundberg
(D) कूले/Cooley

92. (D) उपर्युक्त परिभाषा चार्ल्स कूले द्वारा दी गई है।
● केतकर के अनुसार जाति दो विशेषताओं वाला सामाजिक समूह है।
1. सदस्यता उन्हीं व्यक्तियों तक सीमित रहती हे, जो सदस्यों से उत्पन्न होते हैं एवं इस प्रकार उत्पन्न सभी व्यक्ति उसके शामिल रहते हैं।
2. सदस्यों पर एक अनुलंघनीय सामाजिक नियम द्वारा जाति के बाहर विवाह करने पर प्रतिबन्ध रहता है।

93. 'ब्रह्म समाज' की स्थापना किसने की थी ?
Who had founded 'Brahmo Samaj' ?
(A) दयानन्द सरस्वती/Dayanand Saraswati
(B) राजा राम मोहन राय/Raja Ram Mohan Roy
(C) देबेन्द्रनाथ/Debendranath
(D) केशब चन्द्र सेन/Keshab Chandra Sen

93. (B) कोलकाता में 20 अगस्त, 1828 में राजा राममोहन द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना

की गई थी। ब्रह्म समाज भारत में प्रथम धर्म सुधार आन्दोलन था, जिसका सम्बन्ध हिन्दू धर्म से था। ब्रह्म समाज उस आध्यात्मिक आन्दोलन की कहानी है, जो 19वीं शताब्दी के नवजाग्रत भारत की विशेषता थी। इसका उद्देश्य हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों जैसे सतीप्रथा, बहुविवाह, वेश्यागमन, जातिवाद, अस्पृश्यता आदि को समाप्त करना था।

- देबेन्द्रनाथ टैगोर ने ब्रह्म समाज को आगे बढ़ाया और उन्होंने तीर्थयात्रा, मूर्तिपूजा, कर्मकाण्ड आदि की आलोचना की। इनके द्वारा ही केशबचन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का आचार्य नियुक्त किया गया था। केशबचन्द्र सेन का बहुत अधिक उदारवादी दृष्टिकोण ही आगे चलकर ब्रह्मसमाज के विभाजन का कारण बना।

94. 'सामान्यीकृत अन्य' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की थी ?
The concept 'Generalised other' was given by
(A) एस. फ्रायड/S. Freud
(B) कूले/Cooley
(C) एच. ब्लूमर/H. Blumer
(D) जी. एच. मीड/G. H. Mead

94. (D)
- जी. एच. मीड ने अपनी पुस्तक Mind, Self and Society (1934) में अपने समाजीकरण के सिद्धान्त में समान्यीकृत अन्य की अवधारणा को प्रस्तुत किया।
- मीड के अनुसार, "मैं अहंकार है, वह स्व है जो सचेत रूप से स्व है। जिसे हम एक व्यक्ति के रूप में अपना स्व मानते है। 'मी' वह स्वयं है, जो समाज द्वारा परिलक्षित होता है। हमारे कार्यों में यदि हम 'मैं' के रूप में कार्य करते हैं तो हम वह कर रहे हैं जो समाज हमसे उम्मीद करता है। लेकिन एक समय 'मैं', 'हम' के रूप में भी कार्य कर सकता है। मैं और मुझे के बीच बातचीत चल रही है, जब हम बातचीत करते हैं कि हम क्या करना चाहते हैं और हम इसे कैसे करते हैं। कई बार हम अनुपालन करते हैं, कई बार हम हेरफेर करते हैं और कई बार हम विद्रोह कर देते हैं। जब विद्रोह सामान्यीकृत दूसरों के सामूहिक रूप को लेता है, तो समाज खुद को बदल देता है और एक अलग तरह की अन्तर्क्रिया होती है।

95. निम्नलिखित में से किसने संकुचितीकरण तथा सार्वभौमिकीकरण की जुड़वाँ अवधारणाओं का विकास किया ?
Who of the following developed the twin concepts of parochialization and universalization ?
(A) एस. सी. दुबे/S. C. Dube
(B) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(C) मैकिम मैरियट/McKim Marriot
(D) आन्द्रे बेतेइ/Andre Beteille

95. (C) मैकिम मैरियट के अनुसार "जब स्थानीय लघु परम्पराओं को मिलने से एक बड़ी परम्परा का निर्माण होता हे और उसका विवेचन धर्मग्रन्थों में कर लिया जाता है तो संस्कृति के प्रसार की ये प्रक्रिया सार्वभौमिकरण कहलाती है।
- संकुचितीकरण या स्थानीयकरण की परिभाषा मैरियट के अनुसार इस प्रकार है—"वृहद परम्परा तत्वों का नीचे की ओर बहना तथा उनका लघु परम्परा के तत्वों से मिल जाना ही स्थानीयकरण माना जाता है। स्थानीयकरण की प्रक्रिया एक छोटे समूह के विचारों, अनुभवों और विश्वासों को ही महत्व देती है न कि वृद्ध समूह का प्रतिनिधित्व करती है।

96. एथनोसेन्ट्रिसिज्म (नृजातिकेन्द्रवाद) शब्द किसने सन्निविष्ट किया ?
Who introduced the term 'Ethnocentrism'?
(A) ए. टायनबी/A. Toynbee
(B) एच. एम. जॉन्सन/H. M. Johnson
(C) कूले/Cooley
(D) सम्नर/Sumner

96. (B) नृजातिकेन्द्र वाद शब्द को सम्नर द्वारा सन्निविष्ट किया गया।

97. समाजशास्त्र में 'प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य' का प्रारम्भ करने वाला कौन था ?
Who is the beginner of 'Functionalistic perspective' in sociology ?
(A) आर. के. मर्टन/R. K. Merton
(B) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim
(C) रेडक्लिफ ब्राउन/Radcliffe Brown
(D) मैक्स वेबर/Max Weber

97. (B)
- प्रकार्यवाद समाजशास्त्र की प्रमुख अवधारणा है। प्रकार्यवादी सोच को विचसित करने वाले दो समाजशास्त्री प्रमुख हैं—पहले दुर्खीम दूसरे टालकाट पार्सन्स।
- प्रकार्यवदी सिद्धान्त के समर्थक यह मानते हें कि समाज की क्रियाएँ व्यवसियत तरीके से चलती हैं और इसलिए वह समाज को एक व्यवस्था के रूप में देखते हैं। सामाजिक व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से चलाए रखने में विभिन्न तत्वों के बीच आत्मनिर्भरता पाई जाती है। अतः एक सम्पूर्ण व्यवस्था है जिसके व्यवस्थित स्वरूप को बनाये रखने में विभिन्न समूहों तथा समस्याओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।
- दुर्खीम के अनुसार, "समाज में एकता बनाए रखने के लिए धर्म नैतिक आधार प्रदान करता है।"

98. निम्नलखित में कौन प्राथमिक सम्बन्धी नहीं है ?
Which among the following is not a primary kin ?
(A) माता/Mother (B) पिता/Father
(C) चाचा/Uncle (D) भाई/Brother

98. (C) माता, पिता, भाई प्राथमिक सम्बन्धी हैं। जबकि चाचा द्वितीय सम्बन्धी हैं।

99. "समाजशास्त्र सामाजिक, श्रेणीबद्ध, विशुद्ध, अमूर्त, सामान्यीकरण, तार्किक के साथ-साथ आनुभविक तथा एक सामान्य विज्ञान है" किसने कहा ?
"Sociology is a social, a categorial, a pure, an abstract, a generalizing, both a rational and an empirical and a general science". Who said?
(A) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt
(B) मैकाइवर एवं पेज/MacIver and Page
(C) के. डेविस/K. Devis
(D) ई. एस. बोगार्डस/E. S. Bogardus

99. (A) समाजशास्त्र की यह परिभाषा राबर्ट बीरस्टीड द्वारा प्रस्तुत की गई है।
- जबकि मैकाइवर के अनुसार, "समाजशास्त्र की विषयवस्तु सामाजिक सम्बन्ध अथवा सामाजिक सम्बन्धों का जाल है, जिसे हम समाज कहते हैं।"
- राबर्ट वीरस्टीड के अनुसार, "समाजशास्त्र दो भाषाओं की अवैध सन्तान है। (लैटिन और यूनानी भाषा की)

100. निम्नलिखित में से कौन समुदाय का उदाहरण है ?
Which one of the following is an example of community ?
(A) एक व्यापारिक संघ/A trade union
(B) वर्ण/Varna
(C) एक राजनैतिक दल/A political party
(D) जनजाति समूह/Tribal group

100. (D)
- जनजाति समूह समुदाय का उदाहरण है। क्योंकि जनजाति समूह के सदस्यों के बीच हम की भावना, निर्भरता की भावना, पारस्परिक जागरूकता की भावना होती है।
- एक व्यापारिक संघ, राजनैतिक दल समिति के अन्तर्गत आते हैं। क्योंकि इनका निर्माण किसी विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जाता है।

101. जनसंख्या का अध्ययन करने के लिए सामाजिक केशिका का अवधारणा का उपयोग किसने किया है ?
The concept of social capillarity in studying population was used by
(A) माल्थस/Malthus
(B) ए. ड्यूमा/A. Dumont
(C) दुर्खीम/Durkheim
(D) कार्ल मार्क्स/Karl Marx

101. (B) • जनसंख्या का सामाजिक केशिका का सिद्धान्त ए.ड्यूमा द्वारा प्रतिपादित किया गया है।
• केशिकातत्व सिद्धान्त कहता है कि विकसित समाजों में हर व्यक्ति प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिष्ठा को प्राप्त करना चाहते हैं जिस कारण उनमें प्रजनन दर कम होने लग जाती है।
• ग्रामीण क्षेत्रों में प्रजनन दर अधिक होती है जबकि शहरों में प्रजनन दर कम होने लगती है।
• मानव निम्न वर्ग से उच्च वर्ग में जाने की इच्छा से प्रजनन का ह्रास होता है और जनसंख्या वृद्धि में गिरावट आती हे।
• किसी भी देश में व्यक्तिगत विकास तथा जनसंख्या वृद्धि में ऋणात्मक सहसम्बन्ध होता है।
• ड्यूमान्ट के जनसंख्या सिद्धान्त के तीन चरण हैं–
1. प्राथमिक अवस्था में माल्थस का सिद्धान्त लागू होता है। जिसमें मनुष्य जानवरों की तरह रहता है। जनसंख्या वृद्धि ज्यामितीय दर से बढ़ती है।
2. माध्यमिक अवस्था में क्यूवार्ड का जनसंख्या सिद्धान्त लागू होता है। इस अवस्था में समाज में जनसख्या में खाद्य सामग्री की आपूर्ति बढ़ जाती है।
3. आधुनिक समाजों में प्रत्येक व्यक्ति एक उच्च आर्थिक तथा सामाजिक स्तर प्राप्त करना चाहता है इसलिए उनके प्रजनन दर घटती है।

ड्यूमा के अनुसार जन्मदर घटने के तीन प्रमुख कारण हैं–
• सुरक्षा तथा आराम तलब जीवन जीने की आशा
• व्यक्तिगत भावना
• उच्च वर्ग को प्राप्त करने की इच्छा

102. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा गलत है ?
Which pair is wrong in the following ?
(A) के डेविस/K. Davis – – ह्यूमन सोसयटी/Human Society
(B) गिलिन एवं गिलिन/Gillin and Gillin – – कल्चरल सोशियोलॉजी/Cultural Sociology
(C) के. एम. कपाडिया/K. M. Kapadia – – हिन्दू मैरिज/Hindu Marriage
(D) मैकाइवर एवं पेज/MacIver and Page – – सोसायटी/Society

102. (C) के. एम. कपाडिया – हिन्दू मैरिज गलत जोड़ा है।
• ह्यूमन सोसायटी – किग्सले डेविस की पुस्तक है।
• कल्चरल सोशियोलॉजी – गिलिन एवं गिलिन की पुस्तक है।
• सोसयटी – मैकाइवर एवं पेज की पुस्तक है।

103. निम्नलिखित में से किसने मनुष्य समूहों 'प्राथमिक' और 'द्वितीयक' समूहों में वर्गीकृत किया ?
Who among the following has classified human groups into 'Primary' and 'Secondary' groups ?
(A) सी. एच. कूले/C. H. Cooley
(B) जी. एच. मीड/G. H. Mead
(C) राल्फ डहरेन्डार्फ/Ralf Dahrendorf
(D) कार्ल मार्क्स/Karl Marx

103. (A) • प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह की अवधारणा का जिक्र सर्वप्रथम सी. एच. कूले ने अपनी पुस्तक सोसल ऑर्गनाइजेशन में किया।
• कूले के अनुसार प्राथमकि समूहों से हमारा तात्पर्य उन समूहों से है जिनमें सदस्यों के बीच आमने-सामने के घनिष्ठ सम्बन्ध होते हैं। साथ ही पारस्परिक सहयोग इसकी अनिवार्य विशेषता है ।

कूले के अनुसार द्वितीय समूह–द्वितीयक समूहों सम्बन्धी में स्थायित्व की कमी एवं सम्बन्धों में काफी जटिलता पाई जाती है। घू और जाओ के सम्बन्ध होते हैं। ये समूह अपेक्षाकृत काफी बड़े होते हैं। उनमें पाए जाने वाले काफी अवैयक्तिक होते हैं।

104. "समिति से सदस्यता और संस्था से सेवा के एक प्रकार का अथवा साधन का बोध होता है" किसने कहा है ?
"Association denotes membership, Institution denotes a mode or means of service" Who stated ?
(A) मैकाइवर एवं पेज/MacIver and Page
(B) आगबर्न एवं निमकाफ/Ogburn and Nimkoff
(C) राबर्ट बीरस्टीड/Robert Bierstedt
(D) गिलिन एवं गिलिन/Gillin and Gillin

104. (A) मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, "समिति से सदस्यता का संस्था से सेवा के एक प्रकार अथवा साधन का बोध होता है।

105. संस्कृति को इन्द्रियपरक, विचारात्मक एवं आदर्शात्मक रूपों में किसने वर्गीकृत किया है ?
Who classified cultural as sensate, ideational and idealistic ?
(A) स्पेन्सर/Spencer
(B) पारेटो/Pareto
(C) सोरोकिन/Sorokin
(D) मार्क्स/Marx

105. (C) • सोरोकिन ने अपनी पुस्तक (Social and Cultural Dynamics 1937-1941) में सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धान्त को प्रस्तुत किया।
• सोरोकिन जब सामाजिक परिवर्तन के उपगम को निश्चित करते हैं तो एक ओर तो वस्तु के इन्द्रिय ज्ञान को लेते हैं तो दूसरी ओर उसकी मनोवृत्ति को। इस दृष्टि से वे संस्कृति को तीन श्रेणियों में विभाजित करते हैं–
1. **इन्द्रियपरक संस्कृति**–का सरोकार भौतिक आनन्द से होता है।
2. **विचारात्मक संस्कृति**–इस संस्कृति में व्यक्ति ईश्वरीय व आध्यात्मिक चिन्तन में लग जाता है।
3. **आदर्शात्मक संस्कृति**–भौतिक सुखों तथा आध्यात्मिक चिन्तन का समन्वय होती है।

106. "समाजशास्त्र न तो अन्य सामाजिक विज्ञानों की गृहस्वामिनी मानी जाती है और न उनकी दासी, अपितु उनकी भगिनी मानी जाती है।" यह कथन किसका है ?
"Sociology is regarded neither as a mistress nor as a handmaid of social sciences but as their sister". Whose statement is this ?
(A) ए. एल. क्रोबर/A. L. Kroeber
(B) जार्ज सिम्पसन/George Simpson
(C) बार्न्स एवं बेकर/Barnes and Becker
(D) ई. ए. होबेल/E. A. Hoebel

106. (C) यह परिभाषा बार्न्स तथा बेकर द्वारा प्रस्तुत की गई है। अर्थात् समाजशास्त्र अन्य सामाजिक विज्ञानों की बहिन है।

107. सामाजिक स्तरीकरण के अध्ययन के लिए मैक्स वेबर का उपागम निम्नलिखित में से है
Max Weber's approach to the study of social stratification is
(A) द्विआयामी/Two dimensional
(B) एकलआयामी/One dimensional
(C) त्रिआयामी/Three dimensional
(D) चतुर्आयामी/Four dimensional

107. (C) • मैक्स वेबर ने अपने सामाजिक स्तरीकरण के अध्ययन को त्रिआयामी उपागम के आधार पर समझाया है।
• वेबर के अनुसार "समाज में पाई जाने वाली असमान शक्ति की एक संगठित अभिव्यक्ति सामाजिक स्तरीकरण है।" इससे स्पष्ट होता है कि समाज में शक्ति का बँटवारा समान रूप से न होकर असमान रूप से होता है। किसी को ज्यादा शक्ति प्राप्त होती है तो किसी को कम शक्ति प्राप्त होती है।
• मैक्स वेबर ने संस्थापक रूप से तीन प्रकार की शक्तियों को स्पष्ट किया है—
1. सामाजिक
2. आर्थिक
3. राजनैतिक शक्ति
• सामाजिक क्षेत्र में सामाजिक प्रस्थिति के आधार पर सामाजिक स्तरीकरण पाया जाता है।
उच्च प्रस्थिति वाले समूहों के पास ज्यादा शक्ति होती है। जबकि निम्न प्रस्थिति वाले समूहों के पास कम शक्ति होती है।
• आर्थिक क्षेत्र में आर्थिक शक्ति के वितरण के अनुसार सामाजिक स्तरीकरण पाया जाता है।
पूँजीपति वर्ग के पास आर्थिक शक्ति, सम्पत्ति ज्यादा होती है। जबकि सम्पत्तिविहीन वर्ग के पास कम शक्ति होती है।
• राजनैतिक क्षेत्र में किसी व्यक्ति की प्रस्थिति उसकी राजनैतिक शक्ति के आधार पर निर्धारित होती है।

108. समाज के 'उद्विकास का सिद्धान्त' किसने प्रतिपादित किया ?
Who has propounded the 'Theory of Evolution' of society ?
(A) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(B) वेबर/Weber
(C) दुर्खीम/Durkheim
(D) स्पेंसर/Spencer

108. (D) • समाज के उद्विकास का सिद्धान्त हरबर्ट स्पेन्सर द्वारा प्रतिपादित किया गया है।
• कार्ल मार्क्स के अनुसार वर्ग संघर्ष सभी समाजों में विद्यमान होता है। इन्होंने वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त प्रतिपादित किया। पूँजीपति और श्रमिक वर्ग के मध्य वर्ग संघर्ष को स्पष्ट किया।
• वेबर ने आदर्श प्रारूप और नौकरशाही की अवधारणा का प्रतिपादन किया।

109. किसने कहा "समाजशास्त्र एवं मानवशास्त्र जुड़वा बहनें हैं" ?
Who said "Sociology and Anthropology are twin sister" ?
(A) बार्न्स/Barnes
(B) ए. एल. क्रोबर/A. L. Kroeber
(C) होएबल/Hoebel
(D) गिडिंग्स/Giddings

109. (B) ए. एल. क्रोबर के अनुसार "समाजशास्त्र और मानवशास्त्र जुड़वा बहनें हैं।"

110. परिहास सम्बन्ध
Joking relationship take place between
(A) पिता एवं पुत्र के मध्य होते हैं/Father and son
(B) माता एवं पुत्री के मध्य होते हैं/Mother and daughter
(C) पिता एवं पुत्री के मध्य होते हैं/Father and daughter
(D) जीजा तथा साली के मध्य होते हैं/Brother-in-law and Sister-in-law

110. (D) जीजा तथा साली के मध्य परिहास सम्बन्ध होता है।

111. निम्नलिखित सामाजिक प्रक्रियाओं में से किसमें, एक व्यक्ति या समूह अन्य की संस्कृति को पूर्णतया अंगीकृत कर लेता है ?
In which of the following social processes, a man or group fully internalises other's culture ?
(A) समायोजन/Accommodation
(B) सहयोग/Cooperation
(C) सात्मीकरण/Assimilation
(D) समाजीकरण/Socialization

111. (C) • **सात्मीकरण**—की प्रक्रिया के अन्तर्गत एक व्यक्ति या समूह किसी दूसरी संस्कृति के मूल्यों, विश्वासों, विचारों को पूर्णतया अंगीकृत कर लेता है।
• **समाजीकरण**—सीखने की एक प्रक्रिया है। जिसमें व्यक्ति अपनी भूमिकाओं का निर्वाहन करना सीखता है।
• **सहयोग**—जब दो या दो से अधिक व्यक्ति मिलकर किसी कार्य को एक साथ करते हैं तो वह सहयोग कहलाता है।
• **समायोजन**—समायोजन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन बनाये रखता है।

112. निम्नलिखित में कौन-सा एक क्षेत्र दुर्खीम द्वारा दी गई समाजशास्त्र की विषयवस्तु में सम्मिलित नहीं है ?
Which one of the following field is not included in the subject-matter of sociology by Durkheim ?
(A) सामाजिक स्वरूपशास्त्र/Social Morphology
(B) सामाजिक शरीरशास्त्र/Social Physiology
(C) सामाजिक विरासत/Social Heritage
(D) सामान्य समाजशास्त्र/General Sociology

112. (C) • दुर्खीम के अनुसार समाजशास्त्र की विषयवस्तु में
1. सामाजिक स्वरूपशास्त्र
2. सामाजिक शरीरशास्त्र
3. सामान्य समाजशास्त्र शामिल हैं।
• सामाजिक विरासत दुर्खीम की समाजशास्त्र की विषयवस्तु में सम्मिलित नहीं है।

113. उत्तर प्रदेश में किस विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारम्भ हुआ था ?
In which of the Uttar Pradesh Universities teaching of sociology was first started ?
(A) इलाहाबाद विश्वविद्यालय/Allahabad University
(B) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय/Benaras Hindu University
(C) अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय/Aligarh Muslim University
(D) लखनऊ विश्वविद्यालय/Lucknow University

113. (D) प्रोफेसर राधाकमल मुखर्जी के नेतृत्व में सर्वप्रथम लखनऊ विश्वविद्यालय में 1921 में समाजशास्त्र का अध्ययन प्रारम्भ हुआ। इसलिए मुखर्जी उत्तर प्रदेश में समाजशास्त्र के प्रणेता के रूप में भी विख्यात हैं।

114. निम्नलिखित में से कौन संस्था का एक उदाहरण है ?
Which one of the following is an example of Institution ?
(A) जाति/Caste
(B) परिवार/Family
(C) विवाह/Marriage
(D) उपर्युक्त में सभी/All of the above

114. (D) • विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समिति का निर्माण किया जाता है। इन समितियों के द्वारा उद्देश्यों की प्राप्ति तभी सम्भव है, जब समिति का संचालन एक व्यवस्था के द्वारा हो, कुछ नियम और कार्यप्रणालियों को अपनाया जाता है। समिति की इन्हीं कार्य-प्रणालियों और नियमों को संस्था कहा जा सकता है।
• **बोगार्डस के अनुसार**—एक सामाजिक संस्था समाज का वह ढांचा होता है, जो मुख्य रूप से सुव्यवस्थित विधियों के द्वारा व्यक्तियों की जरूरतों की पूर्ति के लिए संगठित किया जाता है।
• जाति, परिवार, विवाद संस्था के उदाहरण हैं।

115. "सभी सामाजिक परिवर्तन विचारों के माध्यम से घटित होते हैं"। किसने कहा है ?
"All social change takes place through the medium of ideas" – Who said?
(A) मैकाइवर एवं पेज/MacIver and Page
(B) गिलिन एवं गिलिन/Gillin and Gillin
(C) आगबर्न एवं निमकाफ/Ogburn and Nimkoff
(D) मैरिल एवं एलरिज/Merrill and Eldridge

115. (C) • आगर्बन एवं निमकाफ के अनुसार, "सभी सामाजिक परिवर्तन विचारों के माध्यम से घटित होते हैं।"
• गिलिन और गिलिन के अनुसार, "सामाजिक परिवर्तन जीवन की स्वीकृति विधियों में परिवर्तन को कहते हैं।"
• मैकाइवर और पेज के अनुसार, "सामाजिक सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहते हैं।"

116. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 में मनाही है
Hindu Marriage Act, 1955 forbids
(A) सप्रवर विवाह/Sapravar Marriage
(B) सगोत्र विवाह/Sagotra Marriage
(C) सपिण्ड विवाह/Sapinda Marriage
(D) उपरोक्त सभी/All of the above

116. (C) • हिन्दू विवाह अधिनियम भारत की संसद द्वारा 18 मई, 1955 में पारित कानून है। इस अधिनियम के अनुसार हर हिन्दू पुरुष स्त्री चाहे वह किसी भी जाति के हो विवाह कर सकते हैं।
• एक विवाह मान्य है जबकि द्विविवाह अमान्य एवं दण्डनीय भी हैं।
• इस अधिनियम के अनुसार सपिण्ड विवाह की मनाही है।

117. 'मूल्यों के समाजशास्त्र' पर लिखने वाले निम्नांकित भारतीय समाजशास्त्रीयों में कौन विख्यात हैं ?
Who among the following Indian sociologists is known to have written on sociology of values ?
(A) जी. एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(B) राधाकमल मुखर्जी/Radhakamal Mukerjee
(C) डी. पी. मुखर्जी/D. P. Mukherjee
(D) ए. के. सरन/A. K. Saran

117. (B) राधाकमल मुखर्जी मूल्यों के समाजशास्त्र पर लिखने वाले सबसे विख्यात समाजशास्त्री हैं।

118. 'वर्ग-संघर्ष सिद्धान्त' के प्रतिपादक कौन थे ?
Who was propounder of 'Class Struggle theory' ?
(A) मैक्स वेबर/Max Weber
(B) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(C) इमाइल दुर्खीम/Emile Durkheim
(D) इनमें से कोई नहीं/None of these

118. (B) वर्ग-संघर्ष का सिद्धान्त कार्ल मार्क्स द्वारा दिया गया। मार्क्स ने कम्युनिस्ट घोषणा पत्र में लिखा है कि आज तक प्रत्येक समाज शोषक तथा शोषित वर्गों के विरोध पर आधारित रहा है।
आधुनिक युग पूँजीवादी और श्रमिक वर्ग है। जब शोषित वर्ग के अत्याचारों से परेशान होकर शोषित वर्ग में असन्तोष फैल जाता है, तब उनमें वर्ग चेतना उत्पन्न होती है और वर्ग संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है।

119. प्रत्याशित समाजीकरण की अवधारणा निम्नांकित में से किसने दी है ?
Who among the following gave the concept of anticipatory socialization ?
(A) एच. एम. जॉनसन/H. M. Johnson
(B) पार्सन्स/Parsons
(C) आर. के. मर्टन/R. K. Merton
(D) कूले/Cooley

119. (C) प्रत्याशित समाजीकरण की अवधारणा आर. के. मर्टन द्वारा दी गई। मर्टन के अनुसार, "एक व्यक्ति जब किसी समूह का सदस्य नहीं रहता है एवं उसका सदस्य बनना चाहता है, ऐसे में वह उस समूह के मूल्यों एवं प्रतिमानों के अनुसार कार्य करने का प्रयास करता है तो इसे प्रत्याशित समाजीकरण कहते हैं।

120. किसने कहा "एक निश्चित मात्रा में संघर्ष आवश्यक रूप से दुष्प्रकार्यात्मक होने की अपेक्षा समूह निर्माण एवं सामूहिक जीवन के स्थायित्व के लिए आवश्यक तत्व है" ?
Who said "Far from being necessarily dysfunctional, a certain degree of conflict is an essential element in group formation and persistence of group life" ?
(A) पी. एस. कोहन/P. S. Cohen
(B) लेविस ए. कोजर/Lewis A. Coser
(C) राल्फ डेहरनडार्फ/Ralph Dahrendorf
(D) जोनाथन टर्नर/Jonathan Turner

120. (B) लेविस ए. कोजर ने अपनी पुस्तक 'The Function of Social Conflict' (1956) में संघर्ष का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त प्रस्तुत किया था।
• कोजर के अनुसार "एक निश्चित मात्रा में संघर्ष आवश्यक रूप दुष्प्रकार्यात्मक होने की अपेक्षा समूह निर्माण एवं सामूहिक जीवन के स्थायित्व के लिए आवश्यक तत्व हैं।"

121. किसने कहा कि "व्यवहारिक रूप से कोई विज्ञान (सिवाय गणित और औपचारिक तर्कशास्त्र के) स्वतंत्र नहीं है तथा जो अन्य विज्ञानों से प्राप्त तथ्यों का प्रयोग नहीं करता हो" ?
Who said "There is practically no science (except perhaps mathematics and formal Logic) which is independent and uncontaminated by data taken from other sciences" ?
(A) आगस्त काम्टे/Auguste Comte
(B) पी. ए. सोरोकीन/P. A. Sorokin
(C) ई. एस. बोगार्डस/E. S. Bogardus
(D) ई. दुर्खीम/E. Durkheim

121. (B) • पी. ए. सोरोकिन समाजशास्त्र के समन्वयात्मक सम्प्रदाय के प्रमुख समर्थक हैं।
• इनके अनुसार "व्यवहारिक रूप से कोई विज्ञान (सिवाय गणित और औपचारिक तर्कशास्त्र के) स्वतंत्र नहीं हे तथा जो अन्य विज्ञानों से प्राप्त तथ्यों का प्रयोग नहीं करता हो।"

122. निम्नलिखित में से कौन समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित नहीं है ?
Who among the following is not associated with formal school of sociology ?
(A) जी. सिमेल/G. Simmel
(B) एल. टी. हाबहाउस/L. T. Hobhouse
(C) एफ. टानीज/F. Tonnies
(D) वान विजे/Von Wiese

122. (B) • एल. टी. हाबहाउस समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित नहीं है बल्कि यह समन्वयात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित हैं।
• जार्ज सिकेल, टानीज, वानविजे समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित हैं।

123. निम्नलिखित में से किसमें सदस्यता ऐच्छिक होती है ?
In which of the following membership is voluntary ?
(A) समाज/Society
(B) समिति/Association
(C) समुदाय/Community
(D) संस्था/Institution

123. (B) समिति ये सदस्यों की सदस्यता ऐच्छिक होती है। जबकि समाज, समुदाय, संस्था में व्यक्तियों की सदस्यता अनिवार्य होती है।

124. "भारतीय समाज खुला नहीं होते हुए भी बंद समाज भी नहीं रहा" किसने कहा है ?
"Indian society ceased to be closed without being open" Who said ?
(A) आर. के. मुखर्जी/R. K. Mukherjee
(B) डी. पी. मुखर्जी/D. P. Mukherjee
(C) जी .एस. घुर्ये/G. S. Ghurye
(D) एम. एन. श्रीनिवास/M. N. Srinivas

124. (B) डी. पी. मुखर्जी के अनुसार "भारतीय समाज खुला नहीं होते हुए भी बन्द समाज भी नहीं रहा है।"

125. पुस्तक 'द सिटी' के लेखक हैं
The book 'The City' was written by
(A) मैक्स वेबर/Max Weber
(B) कार्ल मार्क्स/Karl Marx
(C) दुर्खीम/Durkheim
(D) हर्बर्ट स्पेन्सर/Herbert Spencer

125. (A) ● द सिटी '1921' पुस्तके के लेखक मैक्स वेबर है।

❖ मैक्सिमिलियन कार्ल एमिल वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री इतिहासकार, न्यायविद और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे।
● इन्हें आधुनिक पश्चिमी समाज के विकास के सबसे महत्वपूर्ण सिद्धान्तकारों में से एक माना जाता है।
● उनके विचार सामाजिक सिद्धान्त और अनुसंधान को गहराई से प्रभावित करते हैं।

❑❑